सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./ दुर्ग /94/2023-25

वर्ष- 16 अंक - 295 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, गुरुवार 07 अगस्त 2025 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

रायपुर-जबलपुर इंटरसिटी का भिलाईयंस को फायदा नहीं, स्टॉपेज नहीं मिलने से पब्लिक नाराज

8 सामान्य कोच के साथ चल रही है ट्रेन, भिलाई के स्टेशनों में नहीं रुकती यह ट्रेन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रेलवे ने हाल ही में रायपुर से जबलपुर के लिए नई इंटरसिटी एक्सप्रेस शुरू की है। इस एक्सप्रेस को शुरू होने के बाद लग रहा था कि रायपुर के बाद भिलाई के लोगों को भी इस ट्रेन का फायदा मिलेगा और लोग इसका उपयोग कर सकेंगे। 3 अगस्त को शुरू हुई ट्रेन का भिलाई के लोगों को फायदा नहीं मिल रहा है। रायपुर से निकलने के बाद ट्रेन सीधे दुर्ग जंगशन में रुकती है। एक्सप्रेस ट्रेन के शुरू होने के बाद भिलाई के लोगों की खुशी फीकी पड़ गई है।

बता दें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर रेल मंडल के अंतर्गत रायपुर से जबलपुर के बीच नई इंटरसिटी एक्सप्रेस 5 अगस्त से नियमित रूप से चल रही है। 11701 और 11702 नंबर के साथ एक्सप्रेस ट्रेन को चलाया जा रहा है जिसमें 8 सामान्य कोच दिए गए हैं। सामान्य कोच ज्यादा होने के बाद भी ट्रेन के स्टॉपेज काफी कम हैं। रायपुर के बाद दुर्ग, राजनांदगांव, डोंगरगढ़, गोंदिया, बालाघाट, नैनपुर, मदन महल स्टॉपेज के साथ जबलपुर पहुंचती है। भिलाई वासियों को उम्मीद थी कि इस ट्रेन के स्टापेज की सुविधा उनको भी मिलेगी। भिलाई तीन या भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन में इसका स्टॉपेज दिया जाता तो यहां के लाखों लोगों को खुशी मिलती हालांकि ऐसा नहीं हुआ।

रेलवे द्वारा की जा रही भिलाई के स्टेशनों की अनदेखी

भिलाई रेलवे स्टेशन को सर्वसुविधायुक्त बनाया गया लेकिन ट्रेनों का स्टॉपेज नहीं होने से इसका कोई खास आस्तित्व नहीं बचता। वहीं भिलाई पावर हाउस रेलवे स्टेशन एसईसीआर का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है जहां से भिलाई सहित दूर दराज के गांव जुड़े हैं जिनके लिए दुर्ग रेलवे स्टेशन तक जाना अत्याधिक कष्टदायक होता है। उम्मीद थी कि भिलाई पावर हाउस या फिर भिलाई रेलवे स्टेशन पर इसका स्टापेज दिया जाएगा। लेकिन ऐसा नहीं कर रेलवे ने दोनों दिशा में रायपुर के बाद और पहले दुर्ग स्टेशन पर ही इस बहुप्रतीक्षित ट्रेन का स्टापेज दिया है। अक्सर देखा गया है कि रेलवे द्वारा भिलाई के रेलवे स्टेशनों की अनदेखी की जाती है। रेलवे प्रशासन के इस निर्णय से भिलाई पावर हाउस, खुर्सीपार, भिलाई-3, चरोदा और इसके आसपास रहने वालों में खासी नाराजगी देखी जा रही है।

भिलाई के स्टेशनों में स्टॉपेज से रेलवे को होता फायदा

दरअसल, कुल 15 कोच के साथ रायपुर से जबलपुर के बीच शुरू हुई इंटरसिटी एक्सप्रेस में 8 जनरल कोच हैं। इस लिहाज से भिलाई पावर हाउस या फिर भिलाई-3 में स्टापेज दिए जाने की स्थिति में आम रेल यात्रियों के लिए यह ट्रेन ज्यादा फायदेमंद रहती और इससे रेलवे के राजस्व में भी खासा इजाफा हो सकता था। भिलाई शहर में गोंदिया, बालाघाट और जबलपुर क्षेत्र के मूल निवासियों की अच्छी खासी आबादी निवासरत है। भिलाई में स्टापेज मिलता तो ऐसे लोगों को सुविधा मिलने के साथ ही रायपुर, दुर्ग, राजनांदगांव और डोंगरगढ़ तक सफर करने वालों भी ट्रेन का अतिरिक्त विकल्प मिल सकता था।

भिलाई के लोगों के लिए अमरकंटक ही बेहतर ऑप्शन

जबलपुर जाने के लिए अमरकंटक एक्सप्रेस का स्टापेज भिलाई पावर हाउस में है और इस ट्रेन में जबलपुर जाने और आने वाले यात्रियों की संख्या काफी अधिक रहती है। रायपुर-जबलपुर इंटरसिटी को भिलाई में नहीं रोका जा रहा है इसलिए अमरकंटक की भिलाई व आसपास के लोगों के लिए जबलपुर जाने का बेहतर विकल्प है। अब जब कम समय लगने वाले गोंदिया-बालाघाट के रास्ते इंटरसिटी एक्सप्रेस शुरू हुई है तो जबलपुर आने जाने वालों को दुर्ग स्टेशन तक आने-जाने की मजबूरी सिर चिढ़ा रही है।

खास-खबर

छत्तीसगढ़ में अनूठा मेला

बस्तर में होगा कन्नड़-छत्तीसगढ़ संगम, एक मंच पर दिखेगी एकता की मिसाल

जगदलपुर। बस्तर के चित्रकोट जलप्रपात के पास कन्नड़-छत्तीसगढ़ी संगम एक अनूठा सांस्कृतिक मेला लगने जा रहा है। जो छत्तीसगढ़ की आदिवासी संस्कृति और कर्नाटक की कन्नड़ परंपराओं को एक मंच पर लाता है। यह आयोजन प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक समन्वय का प्रतीक है, जिसमें स्थानीय कला, नृत्य, और व्यंजन चमकते हैं।

इस संगम का आयोजन 9 और 10 अगस्त को होगा। इस मेले में स्थानीय गोंड और हलबी जनजातियों के पारंपरिक नृत्य के साथ-साथ कर्नाटक के यक्षगान और डोल्लु कुनिथा जैसे नृत्य प्रदर्शन होंगे। स्थानीय व्यंजनों का तड़का लगाया जाएगा। चित्रकोट के 90 फीट ऊंचे जलप्रपात की पृष्ठभूमि में आयोजित यह कार्यक्रम पर्यटकों और स्थानीय लोगों के लिए एक यादगार अनुभव रहेगा। बता दें कि इस आयोजन का उद्देश्य देश की विविधता में एकता को बढ़ावा देना है और इसके अलावा देश की अलग-अलग भाषाओं का सम्मान करना है।

इस कार्यक्रम का आयोजन करने वाले आकाश वर्मा और सिमा वर्मा ने बताया कि यह आयोजन सिर्फ धार्मिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक एकता, सकारात्मक संवाद और राष्ट्र निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा। इसमे देश की विभिन्न संस्कृतियों को जोड़कर एक भारत-श्रेष्ठ भारत के संकल्प को मजबूती देना शामिल है कार्यक्रम में प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' मिशन से ली गई है। कार्यक्रम की शुरुआत महानदी, कावेरी और तुंगभद्रा के पवित्र जल को चित्रकोट की इन्द्रावती नदी में मिलाकर एक प्रतीकात्मक जल-संगम से होगी, जो भारत माता की सभी संतानों के ऐक्य का जीवंत उदाहरण है। इस आयोजन की प्रेरणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काशी-तमिल संगमम् से प्रेरित है।

केन्द्रीय मंत्री गडकरी ने दी बड़ी राहत, जून 2026 से बंद होगा कुम्हारी टोल प्लाजा

रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल के आग्रह पर केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने लिया निर्णय

देश का नौंवा बैरियर-रहित टोल प्लाजा बनेगा कुम्हारी

देशभर में फ़ास्टैग-आधारित ANPR (Automatic Number Plate Recognition) प्रणाली के अंतर्गत बिना रुके टोल वसूली प्रणाली को लागू किया जा रहा है। देश के आठ टोल प्लाजा पहले से ही इस प्रणाली से जुड़े हैं, और अब कुम्हारी देश का नौंवा टोल प्लाजा बनेगा, जहां मल्टी-लेन फ्री फ्लो प्रणाली लागू की जाएगी। बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि यह पहल प्रधानमंत्री मोदी के Ease of Living के विजन को साकार करती है। इससे आम जनता को सीधा लाभ मिलेगा और सड़कों पर जाम की स्थिति में भी कमी आएगी।

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग से रायपुर जाने वाले फोरलेन पर स्थित कुम्हारी टोल प्लाजा जून 2026 से बंद हो जाएगा। रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद बृजमोहन अग्रवाल के निरंतर प्रयासों का बड़ा परिणाम सामने आया है। सांसद अग्रवाल के प्रयास पर केंद्र सरकार ने कुम्हारी टोल प्लाजा को जून 2026 से पूर्ण रूप से बंद करने की स्वीकृति दे दी है।

इस संबंध में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रीनितिन गडकरी ने स्वयं पत्र लिखकर अग्रवाल को जानकारी दी है। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने इस महत्वपूर्ण निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह फैसला छत्तीसगढ़ वासियों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है। इससे लोगों का समय, ईंधन और पैसा तीनों की बचत होगी।

जून 2026 तक पूर्ण होगा औरंगा-रायपुर-दुर्ग बाईपास

सांसद अग्रवाल ने बताया कि भारतमाला परियोजना के तहत 92 किलोमीटर लंबे औरंगा-रायपुर-दुर्ग बाईपास का निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है, जिसे जून 2026 तक पूरा किया जाएगा। इसके पूरा होते ही कुम्हारी टोल प्लाजा की उपयोगिता समाप्त हो जाएगी और इसे बंद कर दिया जाएगा। यह नया 6 लेन एक्सेस-नियंत्रित राजमार्ग दुर्ग, रायपुर और आरंग को जोड़ेगा, जिससे न केवल आवागमन सुगम होगा बल्कि शहरों के बीच यातायात का दबाव भी कम होगा। केंद्र सरकार ने 15 अगस्त 2025 से फास्टैग उपयोगकर्ताओं के लिए वार्षिक पास योजना लागू करने का निर्णय लिया है, जिसके अंतर्गत 3,000 में 200 यात्राएं की जा सकेंगी। इससे निजी वाहन मालिकों को प्रति यात्रा मात्र 15 का खर्च पड़ेगा। यह योजना कार, जीप और वैन जैसे गैर-व्यावसायिक वाहनों पर लागू होगी।

अनवर ढेबर के बेटे शोएब ढेबर पर जेल प्रबंधन ने मुलाकात पर लगाया 3 माह का बैन

शराब घोटाले में बंद है शोएब ढेबर, नियमों के उल्लंघन पर कारवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। बहुप्रतिक्षित शराब घोटाले में सेंट्रल जेल रायपुर में बंद अनवर ढेबर के बेटे शोएब ढेबर पर तीन माह किसी से भी मुलाकात करने पर पाबंदी लगा दी गई है। शोएब ढेबर द्वारा जेल अधिकारियों की अनुमति के बिना जबरदस्ती मुलाकात कक्ष में प्रवेश कर शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न की गई, इस आधार पर यह प्रतिबंध लगाया गया है।

जेल अधीक्षक रायपुर द्वारा जारी आदेश अनुसार शोएब ढेबर ने अधिवक्ता मुलाकात के समय संबंधित अधिकारियों द्वारा मना किए जाने के बावजूद जबरन प्रवेश किया। जिससे जेल के सुरक्षा और संचालन व्यवस्था में अवरोध उत्पन्न हुआ। इस घटना की जांच उप जेल अधीक्षक एमएन प्रधान द्वारा की गई, जिनकी रिपोर्ट में पुष्टि की गई कि शोएब ढेबर द्वारा शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करना सत्य है।

जेल नियमावली के नियम 690 के अंतर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय जेल रायपुर के जेल अधीक्षक द्वारा आदेश जारी करते हुए शोएब ढेबर को तीन माह तक किसी भी बंदी से किसी भी प्रकार की मुलाकात से प्रतिबंधित कर दिया गया है। जेल अधीक्षक ने कहा कि जेल परिसर की सुरक्षा एवं अनुशासन बनाए रखने के लिए ऐसे कृत्यों को गंभीरता से लिया जाएगा और भविष्य में इस प्रकार की पुनरावृत्ति रोकने हेतु कड़े कदम उठाए जाएंगे।

हनुमान मंदिर में की तोड़फोड़ : बजरंग दल के साथ मोहल्ले वालों ने किया जामुल थाने का घेराव

विरोध करने पर महिलाओं को दी गंदी गाली और दिखाई अश्लीलता

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। धर्म विशेष के एक शख्स ने हनुमान मंदिर में तोड़फोड़ कर दिया। इतना ही नहीं आसपास घरों के करीब बनाए गए तुलसी चौंरा को भी उखाड़कर नाली में फेंक दिया। विरोध करने पर महिलाओं को न केवल उसने गंदी गालियां दी, बल्कि लुंगी उठाकर अश्लीलता की हदें पार कर दी। खबर मिलते ही बजरंग दल सहित अन्य हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता पहुंचे। फिर मोहल्ले वालों के साथ मिलकर जामुल थाने का घेराव कर दिया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी शख्स को हिरासत में ले लिया है।

जामुल थाना के गुरु घासीदास नगर में आज सुबह साढ़े 8 से 9 बजे के बीच उसी इलाके में रहने वाले धर्म विशेष के अधेड़ शख्स ने सड़क किनारे बने छोटे से हनुमान मंदिर में तोड़फोड़ कर दिया। शख्स ने हनुमान प्रतिमा को भी नुकसान पहुंचाया है। इस हरकत पर नजर पड़ते ही आसपास की महिलाओं ने उसे ऐसा करने से मना किया गया। महिलाओं की मानें तो शख्स ने गंदी गालियां देते हुए उनके सामने अपनी लुंगी उठाकर अश्लीलता का शर्मनाक प्रदर्शन किया। इतना ही नहीं एक एक करके कई घरों के सामने बने तुलसी चौंरा को भी उखाड़कर नाली में फेंक दिया।

बजरंगदल के विरोद के बाद आरोपी को पुलिस ने लिया हिरासत में

जानकारी मिलने पर बजरंग दल के रवि निगम और ज्योति शर्मा भी वहां पर पहुंच गई। इनके साथ मोहल्ले वालों ने सीधे जामुल थाने का रुख किया और वहां घेराव कर दिया। इस बीच पुलिस ने आरोपी शख्स को हिरासत में लेकर थाने में बिठा दिया। थाने पहुंची आरोपी की मां ने अपने बेटे को पागल बताया तो विरोध में जुटे मोहल्ले वाले आक्रोशित हो उठे। लोगों ने कहा कि पुलिस की कार्यवाही से बचाने उसे पागल बताया जा रहा है। मोहल्ले के लोगों ने आरोपी का मुंह काला कर जामुल थाना क्षेत्र में घुमाने की मांग पुलिस से किया है।

कुत्ते का जूठन परोसने के मामले में बड़ी कार्रवाई, प्रधान पाठक व शिक्षक निलंबित, 3 शिक्षकों का इंक्रिमेन्ट रुका

बलौदाबाजार पलारी अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला लच्छनपुर की घटना

श्रीकंचनपथ न्यूज

बलौदाबाजार। कुत्ते का जूठा भोजन परोसने के मामले में बलौदाबाजार कलेक्टर दीपक सोनी के प्रस्ताव पर कड़ी कार्यवाही करते हुए स्कूल के प्रभारी प्रधान पाठक एवं एक शिक्षक को निलंबित कर दिया गया है वहीं तीन अन्य शिक्षकों की आगामी एक वार्षिक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोका गया है।

बता दें बलौदा बाजार जिले के विकासखंड पलारी अंतर्गत शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला लच्छनपुर में 28 जुलाई को रसोईयो द्वारा बनाए गये मध्यान्ह भोजन की सब्जी को आवारा कुत्ते द्वारा जूठा कर दिया गया। इसके बाद भी रसोइया एवं प्रधानपाठक द्वारा जानबूझकर स्कूली बच्चों को भोजन परोसा गया। जब मामले ने तूल पकड़ा तो 84 बच्चों को मध्यान्ह भोजन सेवन बाद गुपचुप तरीके से एंटी रेबीज़ टीका भी लगवाया गया। इस पूरे मामले में हाईकोर्ट ने भी स्वत: संज्ञान लेते हुए सरकार से जवाब मांगा था। अब इस मामले में सरकार ने बड़ी कार्रवाई की।

इस घटनाक्रम मे संस्था में स्कूल के प्रभारी प्रधानपाठक नेतराम गिरि एवं शिक्षक एल बी वेदप्रकाश पटेल को प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने तथा कर्तव्य में घोर लापरवाही एवं सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के विपरीत मानते हुए संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग रायपुर द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया। निलंबन अवधि में प्रधानपाठक नेतराम गिरि व शिक्षक वेदप्रकाश पटेल का मुख्यालय विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सिमगा नियत किया गया है। इसके साथ ही संस्था में पदस्थ शिक्षक एलबी रविलाल साहु, शिक्षक एलबी नेमीचंद बघेल एवं शिक्षक एलबी नामप्यारी ध्रुव के द्वारा जानबूझकर तथ्य को छिपाने हेतु सहयोग करने के कारण आगामी एक वार्षिक वेतन वृद्धि असंचयी प्रभाव से रोका गया है।

कट्टर होने का मतलब विरोध करना नहीं होता

श्रीकंचनपथ

हम अपने धर्म, अपनी आस्था के प्रति कट्टर हो सकते हैं पर इसका मतलब यह नहीं है कि हम दूसरे धर्म या पंथ के लोगों का विरोध करें। ये बातें राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के शीर्ष पुरुष मोहन भागवत ने कही है। अलग-अलग कार्यक्रमों में पिछले कुछ समय से वे धर्म और पंथों से परे की एकता पर जोर दे रहे हैं। भागवत कभी मुसलमानों को संबोधित करते हुए कहते हैं कि भारत में रहने वाले हिन्दुओं और मुसलमानों के पूर्वज एक समान हैं। हमें मुस्लिम वर्चस्व की नहीं बल्कि भारत वर्चस्व की सोच रखनी होगी। हिंदुत्व हर व्यक्ति के विकास, उत्थान का मार्गदर्शन करने वाली परंपरा का नाम है। व्यक्ति चाहे किसी भी भाषा, पंथ, धर्म का हो, वो हिंदू है। इसलिए समझदार मुस्लिम नेताओं को कट्टरपंथियों के विरुद्ध मजबूती से खड़ा हो जाना चाहिए। फिर हिन्दुओं से भी कहते हैं कि कट्टरता का मतलब दूसरे धर्म या पंथ के लोगों का विरोध करना नहीं है। दुनिया को उस धर्म की जरूरत है जो विविधताओं को अपनाए। धर्म अपनापन और विविधताओं को स्वीकार करना सिखाता है। हम विविध हैं, लेकिन अलग नहीं हैं। अंतिम सत्य यह है कि हम अलग दिख सकते हैं, लेकिन वास्तव में हम एक ही हैं। भागवत की ये बातें इसलिए भी महत्वपूर्ण हो जाती हैं क्योंकि संघ के नए मापदंडों के तहत वे 11 सितम्बर को अवकाश ले सकते हैं। स्वयं भागवत कहते रहे हैं कि जब व्यक्ति को कोई शाल दुशाला ओढ़ाकर 75वें जन्मदिवस की बधाई दे तो यह उसका फर्ज बन जाता है कि वह पद से हट जाए और दूसरों के आगे आने का मार्ग प्रशस्त करे। 11 सितम्बर को भागवत 75 साल की आयु पूर्ण कर रहे हैं। दरअसल, देश में एक अनोखी परम्परा रही है। नेताओं से लेकर आईएएस और आईपीएस अफसर तक अवकाश प्राप्त करने के बाद अपने मन के भीतर दबी बातों को खुलकर बोलते हैं। भारत की आजादी का आंदोलन देखें तो इसे आप किसी धर्म या पंथ के दायरे में नहीं बांध सकते। इसके बाद भारत का पुनर्निर्माण काल देखें तो भी आप पाएंगे कि सभी धर्म पंथ के लोगों ने एक साथ इसमें अपना योगदान दिया। नए बसे औद्योगिक शहरों में 1980-90 के दशक तक हिन्दू मुसलमान पर बहुत कम बातें होती थीं। सभी के हाथ निर्माण में जुटे हुए थे। हो सकता है कि तरक्की कुछ कम या अपेक्षा के अनुरूप न हुई हो पर देश में सांप्रदायिक तनाव का वातावरण नहीं था। लोग तो विभाजन की मारकाट तक को भुलाकर आगे बढ़ गए थे। पर पिछले कुछ समय से एक तरफजहां अंतरराष्ट्रीय संबंध तेजी से बदल रहे हैं वहीं भारत भीतर से एकजुट होने की बजाय बिखर रहा है। लोग एक दूसरे को संदेह की दृष्टि से देख रहे हैं। उनकी कमियां गिना रहे हैं। उनके तौर तरीकों पर आपत्ति जता रहे हैं। क्या राष्ट्र ऐसे मजबूत होगा?

संपादकीय

आदमी को उसके कर्म डराते हैं

आम तौर पर भारतीय मानते हैं कि आदमी जैसा कर्म करता है,वैसा फल उसे भुगतना पड़ता है। जब आदमी सत्ता में रहता है तो वह एक नशे में रहता है कि मैं जो कर रहा हूं ठीक कर रहा हूं। मैं सत्ता मे हूं, मैं सीएम हूं, मैं मंत्री हूं, मैं सांसद हूं, मैं विधायक हूं, मैं कोई गलत काम कैसे कर सकता हूं। कहा जाता है सत्ता आदमी को भ्रष्ट करती है, आदमी पर जब तक आदमी सत्ता पर रहता है, वह खुद को सबसे बड़ा ईमानदार मानता हैं। सत्ता से उतरने के बाद जनता को पता चलता है कि यह आदमी तो भ्रष्ट नहीं महाभ्रष्ट निकला। महाबेईमान निकला।

> ***सत्ता जाते ही सत्ता का नशा उतरता है तो पता चलता है कि उसने अपने लिए दूसरों के बहुत गलत काम किए हैं। जांच होती है एक के बाद एक मामलों की तो गिरफ्तारी का डर सताता है। यानी नेता को सत्ता में रहते किए गए उसके कर्म ही उसे डराते हैं। , एक के बाद एक घोटाले खुलते जाते हैं। एक के बाद एक गिरफ्तारी होती जाती है तो हर गलत काम करने को अपनी गिरफ्तारी का डर सताता है।पूर्व सीएम भूपेश बघेल ईडी,आईटी व सीबीआई का कार्रवाई का विरोध करते रहे है, बताते रहते हैं कि उनको बदनाम करने के लिए जांच एजेंसियों का दुरुपयोग किया जा रहा है। उनकी राजनीतिक छबि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है। वह हमेशा दोहराते हैं मैं जांच एजेंसियों से नहीं डरता।***

भूपेश बघेल यदि गिरफ्तारी से नहीं डरते हैं तो ऐसा उनके व्यवहार में दिखना भी चाहिए। उनको वहम था था मेरे बेटे का नाम किसी मामले में नहीं है, कोई समंस नहीं भेजा गया उनको तो जांच एजेंसी छू नहीं सकती कि वह मेरा बेटा है। जांच एजेंसी ने उनके बेटे को गिरफ्तार कर उनका वहम तोड़ दिया कि वह किसी मामले में सबूत मिलने पर बिना समंस के भी गिरफ्तारी कर सकती है। भूपेश बघेल को पहली बार पिता होने के नाते लगा होगा मैं कांग्रेस का इतना बड़ा नेता और अपने बेटे को गिरफ्तारी से बचा नहीं सका। बड़ा नेता बड़ा पद सब फिजूल लगा होगा।

बेटे की गिरफ्तारी के बाद उनके बेटे की जमानत नहीं हो रही है, इससे उनका चिंतित होना स्वाभाविक है, यह डर लगना भी स्वाभाविक है कि बेटे के बाद बिना समंस के जांच एजेंसी मुझे भी गिरफ्तार कर सकती है। वह गिरफ्तारी से डर गए यही वजह है कि वह सुप्रीम कोर्ट पहुंचे अग्रिम जमानत के लिए।छत्तीसगढ़ के शराब घोटाला मामले में पूर्व सीएम भूपेश बघेल व उनके पुत्र चैतन्य बघेल की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इंकार कर दिया। कोर्ट ने उनसे कहा कि सभी मामलों की सुनवाई हम करेंगे तो निचले कोर्ट का क्या उपयोग रह जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें हाईकोर्ट जाने को कहा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसी मामले प्रभावशाली व्यक्तित शामिल होता है तो वह सीधे सुप्रीम कोर्ट पहुंच जाता है। ऐसा होता रहा तो गरीब लोग कहां जाएँगे।

राज्य में हुए घोटाले में अब तक जिन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, उनमें से बहुत कम ही लोग जमानत पर बाहर आ सके हैं। भूपे्श बघेल के पुत्र की न्यायिक रिमांड 18 अगस्त तक बढ़ा दी गई है। राजनीति व अदालत दोनों अलग अलग क्षेत्र हैं। राजनीति में तो नेता कुछ भी आरोप लगा सकते हैं, उसके लिए कोई सबूत नहीं देना पड़ता है। मामला जब अदालत में जाता है तो वहां तो सब कुछ सबूत के आधार पर होता है। आप निर्दोष है तो आपको अपने बेगुनाह होने का सबूत देना पड़ेगा। जांच एजेंसी तो कानून के अनुसार ही सब कुछ करती है। अगर वह गलत करती है तो आदमी अदालत जाकर शिकायत कर सकता है, सबूत देकर बता सकता है जांच एजेंसी ने यह गलत किया है।

एसआईआर पर इतना बबेला क्यों?

अजय दीक्षित

कांग्रेस ने मतदाता सूचियों के लिए एस आई आर (विशेष सघन पुनरीक्षण) पर आपत्ति जताई है और बिहार में राजद ने एन विधानसभा चुनावों से पहले चुनाव आयोग ने जो अभियान चलाया है उस पर तेजस्वी यादव ने गहन आपत्ति की है। उल्लेखनीय है कि चुनाव आयोग ने बिहार में 65 लाख मतदाता फर्जी पाए हैं जिनके नाम विभिन्न विधानसभा सीटों से काट दिए गए हैं ।एक विधानसभा सभा क्षेत्र से औसत 3200 वोट काटे गए हैं। इन में चुनाव आयोग ने कहा है कि SIR सभी राज्यों में होगा।

दरअसल भारत में जब से या आजादी के बाद से कभी इंटीग्रेटेड मतदाता सूची बनी ही नहीं थी न ही बन सकती थी क्योंकि न तो तब आधार कार्ड, वोटर आईडी,था । अंतिम जनगणना 2011 में हुई थी और यह मैनुअल थी । चुनाव आयोग से जुड़े लोग मतदाता सूचियों को रिवाइज्ड करते रहते थे। लेकिन अब चुनाव आयोग के पास नए सॉफ्टवेयर हैं जो नाम डालते ही बता देते हैं कि ये नाम किन किन स्थानों पर दर्ज है। और उसे मतदाता की पसंद के साथ अन्य सभी स्थानों से अलग कर देता है ।अब चुकी सरकार के सभी कार्यों का विरोध करना है और मुद्दे चाहिए तो पहले ही चोर चोर चिल्ला देते हैं। राहुल गांधी भी इसे बोट की चोरी बता रहे हैं। ऊपर से मल्लिकार्जुन खड़गे, असदुद्दीन ओवैसी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव, रेवंत रेड्डी, संजय रावत हां में हां मिला देते हैं। ज्ञातव्य हो कि असम, पश्चिमी बंगाल, बिहार, केरल में 2026 तक विधानसभा चुनाव होने हैं

भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली एनडीए बिहार और असम में सत्ता में है ।जबकि पश्चिमी बंगाल में तुड़मूल कांग्रेस,केरल में वामपंथी दल सरकार चला रहे हैं। जिसमें से इस बार बिहार में राजद, कांग्रेस महागठबंधन पूरा जोर लगा रहा है यद्यपि प्रशांत किशोर की जन स्वराज पार्टी भी बताते हैं कि कुछ गणित बिगाड़ने की स्थिति में है। इसलिए SIR का विरोध हो रहा है। असम, पश्चिमी बंगाल, में वास्तव में बांग्लादेशी घुसपैठिए बड़ी संख्या में हैं और इतने हैं कि चुनावों के परिणामों को प्रभावित कर देते हैं उनमें से नब्बे फीसदी मुस्लिम है जो भारतीय जनता पार्टी के खिलाफ एकीकृत हो कर मतदान करते हैं।

भारतीय जनता पार्टी जब से 2014 से लोकसभा में बहुमत के साथ आई है तब से अब तक उसका अन्य पार्टियों या विपक्ष में बौखलाहट चरम सीमा पर है। केंद्रीय सरकार और विपक्ष में तालमेल तो छोड़ो लोकतांत्रिक व्यवस्था का रिश्ता भी जाता रहा है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी अब किसी भी कीमत पर बदलाव चाहते हैं चाहे वह अराजक कदम ही क्यों न उठाना पड़ें ।यहां तक कि चुनाव का बहिष्कार भी हो सकता है जो भारतीय लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए अप्रिय कदम होगा । ममता बनर्जी भी तूफान के पहले की शान्ति में हैं। जिसमें विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तो कतई झेलने की स्थिति में नहीं है। क्योंकि कांग्रेस ऐसा मानती है कि जब तक नरेंद्र मोदी सरकार है तब तक विपक्ष का कोई चांस न तो दिल्ली में है न राज्यों में। अब विपक्ष की राज्यों कर्नाटक, पश्चिमी बंगाल, केरल, हिमाचल, तेलंगाना प्रदेश में ही सरकार है और इन राज्यों से क्रमश: 28, 42, 20, 4, 14,कुल 94 सांसद चुनकर आते हैं जिसमें भी केरल को छोड़कर सभी राज्यों भारतीय जनता पार्टी के सांसद अधिक है।

ध्वस्त हुआ एक और झूठा नैरेटिव

सुरेश हिंदुस्तानी

मालेगाँव विस्फोट मामले में भी ऐसा ही प्रयास किया गया। इसका एक कारण कांग्रेस की वह मानसिकता है, जिसके तहत कांग्रेस को नेतृत्व देने वाले राजनेता केवल यही सोचते हैं कि हम तो सरकार चलाने के लिए ही बने हैं। आज भी कांग्रेस के नेता इसी भावना के साथ विचार रखते हैं। भारत में स्वार्थी राजनीति का खेल यूँ तो बहुत पुराना है, लेकिन ऐसी राजनीति जनमानस को केवल भ्रमित करने का काम ही करती है। यह भी सत्य है कि इसका प्रभाव लम्बे समय तक नहीं रहता। राजनीति सच की होना चाहिए, न कि झूंठ की। लेकिन आज विसंगति यह है कि राजनीतिक दल केवल अपने लिए ही राजनीति करते हैं, देश के लिए नहीं। आज राजनीति का उद्देश्य केवल सत्ता प्राप्त करने तक सीमित हो गया है। ऐसी ही राजनीति के माध्यम से हिन्दू आतंकवाद की थ्योरी स्थापित करने का खेल खेला गया। अब इस षड्यंत्र की परतें भी उधड़ने लगी हैं। जिसके फलस्वरूप फेक नैरेटिव का पर्दाफाश हो गया।

भारत क्या है और उसकी विरासत क्या है? इसके मूल में जो प्रमाण मिलते वे उसका एक दर्शन है। यह दर्शन मात्र कुछ वर्षों का कार्य नहीं, बल्कि एक लम्बी साधना के बाद निकला है। जो भारतीय समाज के लिए एक प्रेरणीय पाथेय है। लेकिन लम्बे समय से इस आदर्श विरासत को मिटाने का कुचक्र भी चल रहा है। हम यह भली भांति जानते हैं कि जब जब भारतीय समाज विघटित हुआ है, तब भारत को कमजोर करने के सुनियोजित प्रयास भी किए। देश विघातक शक्तियों ने भारत के समाज में फूट डालकर अपने मंसूबों को सफल किया। ऐसे प्रयास आज भी हो रहे हैं। मूल समस्या पर किसी प्रकार का कोई चिंतन नहीं हो रहा है, और न ही उस दिशा में कोई प्रयास ही हो रहा है।

अभी अभी न्यायालय ने मालेगाँव विस्फोट मामले में एक ऐतिहासिक निर्णय दिया है। जिसमें हिन्दू आतंकवाद के नैरेटिव को ध्वस्त किया गया। इस नैरेटिव की भूमिका पूरी तरह से आधारहीन ही थी। न्यायालय के निर्णय से यह ज्ञात हुआ कि इसमें जिनको आरोपी बनाया गया, उनके विरोध में पर्याप्त प्रमाण नहीं थे, ज़ब प्रमाण ही नहीं थे, तब इस मामले में गिरफ्तार करने की जल्दबाजी किसके संकेत पर की गई। यह बहुत बड़ा षड़यंत्र ही था, जिसकी कलई धीरे धीरे खुलने लगी हैं। एक पूर्व अधिकारी का बयान इसकी पुष्टि करने के लिए पर्याप्त माना जा सकता है। हिन्दू समाज को बदनाम करने का यह षड्यंत्र केवल एक वर्ग को ख़ुश करने प्रयास मात्र ही था। राजनीतिक दलों को हमेशा अपने स्वार्थ के लिए ही राजनीति नहीं करना चाहिए। राजनीति मात्र देश को शक्तिशाली और समाज को संगठित करने के लिए होना चाहिए। यहां एक सवाल खड़ा करना मुझे बहुत आवश्यक लग रहा है। क्या देश के लिए काम करने की जिम्मेदारी केवल सरकार की ही होती है? विपक्ष और समाज की भी होती है। अगर सभी एक भाव से समाज को एक करने का कार्य करें तो भारत का सूर्य केवल भारत को ही नहीं, बल्कि पूरे विश्व को आलोकित करेगा, यह तय है।

मालेगाँव विस्फोट मामले में षड्यंत्र की बुनियाद किसने की, इस सवाल का उत्तर पहले से वातावरण में तैर रहा था। कांग्रेस के बड़े नेताओं ने हिन्दू आतंकवाद की झूठी कहानी की पटकथा तैयार की। अब सवाल यह उठता है कि रामराज्य की संकल्पना को जमीन पर उतारने का सपना देखने वाले महात्मा गांधी के नाम पर राजनीति करने वाली कांग्रेस के सामने ऐसी क्या मजबूरी थी कि उसने हिन्दू आतंकवाद का प्रपंच रचा। इसका पहला कारण तो यही समझ में आता है कि यह सब एक विशेष वर्ग को खुश करने का प्रयास मात्र ही था। कांग्रेस की ऐसी राजनीति करने वाले एक प्रकार से कांग्रेस को ही कमजोर करने का काम कर रहे हैं। हमें यह भी याद होगा कि एक बार कांग्रेस की सरकार के समय भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकारने का प्रयास किया गया। उस समय हिन्दू समाज की जाग्रति के समक्ष कांग्रेस को झुकना पड़ा और सरकारी स्तर पर किए गए प्रयास पर पूरी तरह से पानी फिर गया।

मालेगाँव विस्फोट मामले में भी ऐसा ही प्रयास किया गया। इसका एक कारण कांग्रेस की वह मानसिकता है, जिसके तहत कांग्रेस को नेतृत्व देने वाले राजनेता केवल यही सोचते हैं कि हम तो सरकार चलाने के लिए ही बने हैं। आज भी कांग्रेस के नेता इसी भावना के साथ विचार रखते हैं। उन्हें यह लगता ही नहीं है कि देश में अब कांग्रेस की सरकार नहीं है और देश में राजनीतिक परिवर्तन हो चुका है। कांग्रेस को यह आत्म मंथन करना चाहिए कि देश की जनता क्या चाहती है। क्योंकि जनता ने ही कांग्रेस को सता से बेदखल किया है। भारत का लोकतंत्र यही कहता है कि देश में जनता का शासन है। जनता का शासन मतलब किसी दल की सरकार नहीं, वह जनता की सरकार है, लेकिन हमारे राजनीतिक दल इसको राजनीतिक दल की सरकार मानकर व्यवहार करते हैं। कांग्रेस को यह समझना चाहिए कि जब जनता की सरकार है, तब सरकार का विरोध करने का अर्थ जनता का ही विरोध है।

आज जनता इतनी समझदार हो चुकी है कि उसे पल पल की जानकारी है, इसलिए कुछ समय के भ्रमित किया जा सकता है, लेकिन भ्रम से जब परदा उठता है तो इसके पीछे एक षड्यंत्र का खेल दिखाई देता है। मालेगांव मामले में कुछ बयानों को आधार बनाया जाए तो यही कहा जा सकता है कि इसमें और भी प्रभावी व्यक्तियों को फसाने की तैयारी भी हो रही थी, इसकी भूमिका भी बन चुकी थी, लेकिन कांग्रेस का यह सपना इसलिए पूरा नहीं हो सका, क्योंकि जिनको आरोपी बनाया गया उन्होंने प्रताड़ना सहने के बाद भी उनके मन मुताबिक बयान नहीं दिए। यहां एक और बात का उल्लेख करना बहुत आवश्यक हो जाता है कि कांग्रेस के नेता असली आतंकवाद पर बोलने से हमेशा किनारा करते हैं। इतना ही नहीं कभी कभी तो कांग्रेस के नेता आतंकियों के समर्थन में सम्मान पूर्वक बात करते हैं। इनको केवल सनातन से चिड़ है। आज जब सनातन अपने उभार पर है, तब इनकी चिंता और ज्यादा बढ़ रही है।

भारत में राजनीति की दशा और दिशा क्या होना चाहिए, यह तय करने का समय आ गया है। कांग्रेस को इस सत्य को स्वीकार करना चाहिए। दूसरी बात यह है कि भारत को भारत के दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। जहाँ समाज में भेद नहीं होना चाहिए। क्योंकि भारत में जितने भी धर्म और संप्रदाय के व्यक्ति रहते हैं, वे सभी पहले भारतीय हैं, जाति धर्म बाद की बातें हैं। इसलिए राजनीति समाज को एक सूत्र में बाँधने की होना चाहिए, विभाजन की नहीं।

उत्तराखंड में आया जल-प्रलय

प्रमोद भार्गव

भगवान भोले नाथ का गुस्सा, प्रतीक रूप में मौत के तांडव नृत्य में फूटता है। देवभूमी उत्तराखंड में शिव के इस तांडव नृत्य का सिलसिला केदारनाथ में 2013 में आई प्राकृतिक आपदा के बाद अभी भी जारी है। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले की खीर गंगा नदी और धराली में बादल फटने और हर्शिल के तेल गाड़ नाले में बाढ़ आने से बड़ी तबाही हुई है। इन प्राकृतिक आपदाओं को हमें इसी गुस्से के प्रतीक रूप में देखने की जरूरत है।

धराली में तो 50 से ज्यादा घर, 30 होटल और 30 होमस्टे मलबे में बदल गए। जो खीर नदी 10 मी. चौड़ी थी, वह जल प्रवाह से 39 मी. चौड़ी हो गई। अतएव जो भी सामने पड़ा उसे लीलती चली गई। प्रशासन चार लोगों की मौत और 100 से अधिक लोगों के लापता होना बता रहा है। लेकिन हिमालय के बीचोंबीच बसा खूबसूरत धराली गांव में सैलाब नीचे उतरते हुए दिखा, उससे लगता है, मौतें कहीं अधिक हुई हैं। प्रलय इतनी तीव्रता से आया की उसकी कान के पर्दे फाड़ देने वाली गर्जना सुनने के बाद लोगों को बचने का समय ही नहीं मिल पाया। अब धराली मलबे में दफन हैं।

इस भूक्षेत्र के गर्भ में समाई प्राकृतिक संपदा के दोहन से उत्तराखंड विकास की अग्रिम पांत में आ खड़ा हुआ था, वह विकास भीतर से कितना खोखला था, यह इस क्षेत्र में निरंतर आ रही इस आपदाओं से पता चलता है। बरिश, बाढ़, भूस्खलन, बर्फ की चट्टानों का टूटना और बदलों का फटना, अनायास या संयोग नहीं है,बल्कि विकास के बहाने पर्यावरण विनास की जो पृश्ठभूमि रची गई, उसका परिणाम है। तबाही के इस कहर से यह भी साफहो गया है कि आजादी के 78 साल बाद भी हमारा न तो प्राकृतिक आपदा प्रबंधन प्राधिकरण आपदा से निपटने में सक्षम है और न ही मौसम विभाग आपदा की सटीक भविश्यवाणी करने में समर्थ हो पाया है। यह विभाग केरल और बंगाल की खाड़ी के मौसम का अनुमान लगाने का दावा तो करता है, किंतु भारत के सबसे ज्यादा संवेदनशील क्षेत्र हिमालय में बादल फटने की भी सटीक जानकारी नहीं दे पाता है। जबकि धराली क्षेत्र में एक साथ दो जगह बादल फटे और कुछ मिनटों में हुई तेज बारिश ने श्रीखंड पर्वत से निकली खीरगंगा नदी को प्रलय में बदलकर 90 प्रतिशत गांव को हिमालय के गर्भ में समा दिया।

बादल फटना अनायास जरूर है, लेकिन ये करीब 10 किमी व्यास की परिधि में फटने के बाद अतिवृष्टि का कारण बनते हैं। 10 सेंटीमीटर या उससे अधिक बारिश को बादल फटने की घटना के रूप में पारिभाषित किया जाता है। बादल फटने की घटना के दौरान किसी एक स्थान पर एक घंटे के भीतर, उस क्षेत्र में होने वाली औसत, वार्षिक वर्षा की 10 प्रतिशत से अधिक बारिश हो जाती है। मौसम विभाग वर्षा का पूर्वानुमान कई दिन या माह पहले लगा लेते हैं। लेकिन मौसम विज्ञानी बादल फ्टने जैसी बारिश का अनुमान नहीं लगा पाते। इस कारण बादल फटने की घटनाओं की भविष्यवाणी भी नहीं करते हैं।

मृद्धि, उन्नति और वैज्ञानिक उपलब्धियों का चरम छू लेने के बावजूद प्रकृति का प्रकोप धरा के किस हिस्से के गर्भ से फूट पड़ेगा या आसमान से टूट पड़ेगा, यह जानने में हम बौने ही हैं। भूकंप की तो भनक भी नहीं लगती। जाहिर है, इसे रोकने का एक ही उपाय है कि विकास की जल्दबाजी में पर्यावरण की अनदेखी न करें। लेकिन विडंबना है कि घरेलू विकास दर को बढ़ावा देने के मद्देनजर अधोसंरचना विकास के बहाने देशी-विदेशी पूंजी निवेश को बढ़वा दिया जा रहा है। पर्यावरण संबधी स्वीकृतियों राज्य सरकारें अब अनदेखा करने लगी हैं। इससे साबित होता है कि अंतत: हमारी वर्तमान अर्थव्यस्था का मजबूत आधार अटूट प्राकृतिक संपदा और खेती ही हैं। लेकिन उत्तराखंड हो या प्राकृतिक संपदा से भरपूर अन्य प्रदेश उद्योगपतियों की लॉबी जीडीपी और विकास दर के नाम पर पर्यावरण सबंधी कठोर नीतियों को लचीला बनाकर अपने हित साधने में लगी हैं। विकास का लॉलीपॉप प्रकृति से खिलवाड़ का करण बना हुआ है। उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश में आई इन तबाहियों का आकलन इसी परिप्रेक्ष्य में करने की जरूरत है।

उत्तराखंड, उप्र से विभाजित होकर 9 नवंबर 2000 को अस्तिव में आया था। 13 जिलों में बंटे इस छोटे राज्य की जनसंख्या 2011 की जनगणना के अनुसार 1 करोड़ 11 लाख है। 80 फीसदी साक्षरता वाला यह प्रांत 53,566 वर्ग किलोमिटर में फैला है। उत्तराखंड में भागीरथी, अलकनंदा, गंगा और यमुना जैसी बड़ी और पवित्र मानी जाने वाली नादियों का उद्गम स्थल है। इन नादियों के उद्गम स्थलों और किनारों पर पुराणों में दर्ज अनेक धार्मिक व सास्कृतिक स्थल हैं। इसलिए इसे धर्म-ग्रंथों में देवभूमि कहा गया है। यहां के वनाच्छादित पहाड़ अनूठी जैव विविधता के पर्याय हैं। तय है, उत्तराखंड प्राकृतिक संपदाओं का खजाना है। इसी बेशकीमती भंडार को सत्ताधारियों और उद्योगपतियों की नजर लग गई है, जिसकी वजह से प्रलय जैसे प्रकोप बार-बार इस देवभूमि में बर्बादी की आपदा वर्शा रहे हैं।

त्तराखंड की तबाही की इबारत टिहरी में गंगा नदी पर बने बड़े बांध के निर्माण के साथ ही लिख दी गई थी। नतीजतन बड़ी संख्या में लोगों का पुश्तैनी ग्राम-कस्बों से विस्थापन तो हुआ ही, लाखों हेक्टेयर जंगल भी तबाह हो गए। बांध के निर्माण में विस्फोटकों के इस्तेमाल ने धरती के अंदरूनी पारिस्थिकी तंत्र के ताने-बाने को खंडित कर दिया। विद्युत परियोजनाओं और सड़कों का जाल बिछाने के लिए भी धमाकों का अनवरत सिलसिला जारी रहा। अब यही काम रेल पथ के लिए सुरंगे बनाने में सामने आ रहा है। विस्फोटों से फैले मलबे को भी नदियों और हिमालयी झीलों में ढहा दिया जाता है। नतीजतन नदियों का तल मलबे से भर गए हैं। दुश्परिणाम स्वरूप इनकी जलग्रहण क्षमता नष्ट हुई और जल प्रवाह बाधित हुआ। अतएव जब भी तेज बारिश आती है तो तुरंत बाढ़ में बदलकर विनाशलीला में तब्दील हो जाती है। बादल फटने के तो केदारनाथ और अब धराली जैसे परिणाम निकलते है। उत्तरकाशी, जोशीमठ में तो निरंतर बाढ़ और भू-स्खलन देखने में आ रहे हैं, इस क्षेत्र के सैंकड़ों मकानों में भूमि घसंकने से बड़ी-बड़ी दरारें आ गई हैं। भू-स्खलन के अलावा इन दरारों की वजह कालिंदी और असिगंगा नदियों पर निर्माणाधीन जलविद्युत और रेल परियोजनाएं भी रही हैं।

उत्तराखंड जब स्वंतत्र राज्य नहीं बना था, तब इस देवभूमि क्षेत्र में पेड़ काटने पर प्रतिबंध था। नदियों के तटों पर होटल नहीं बनाए जा सकते थे। यहां तक कि निजी आवास बनाने पर भी रोक थी। लेकिन उत्तर प्रदेश से अलग होने के साथ ही, केंर्द्र से बेहिसाब धनराशि मिलना शुरू हो गई। इसे ठिकाने लगाने के नजरिए स्वयंभू ठेकेदार आगे आ गए। उन्होंने नेताओं और नौकरशाहों का एक मजबूत गठजोड़ गढ़ लिया और नए राज्य के रहनुमाओं ने देवभूमि के प्राकृतिक संसाधनों के लूट की खुली छूट दे दी। दवा (फार्मा) कंपनियां औशधीय पेड़-पौधों और जड़ी-बूटियों के दोहन में लग गई हैं। भागारथी, खीरगंगा और अलंकनदा के तटो पर बहुमंजिला होटल और आवासीय इमारतों की कतार लग गई। पिछले 25 साल में राज्य सरकार का विकास के नाम पर प्रकृति के दोहन के अलावा कोई उल्लेखनीय काम नहीं है। जबकि इस राज्य का निर्माण का मुख्य लक्ष्य था कि पहाड़ से पलायन रुके।

रोजगार की तलाश में युवाओं को महानगरों की और ताकना न पड़े। लेकिल 2011 में हुई जनगणना के जो आंकड़े सामने आए हैं,उनके अनुसार पौढ़ी-गढ़वाल और अल्मोड़ा जिलों की तो आबादी ही घट गई है। तय है, क्षेत्र में पलायन और पिछड़ापन बढ़ा है। विकास की पहुंच धार्मिक स्थलों पर ही सीमित रही है,क्योंकि इस विकास का मकसद महज श्रद्धालुओं की आस्था का आर्थिक दोहन रहा था। यही वजह रही कि उत्तराखंड के 5 हजार गांवों तक पहुंचने के लिए सड़कें नहीं हैं। खेती आज भी वर्शा पर निर्भर है। उत्पादन बाजार तक पहुंचाने के लिए परिवहन सुविधाएं नदारद हैं। तिस पर भी छोटी बड़ी प्राकृतिक आपदाएं कहर ढाती रहती हैं। इस प्रकोप ने तो तथाकथित आधुनिक विकास को मिट्टी में मिलाकर जल के प्रवाह में बहा दिया। ऐसी आपदाओं की असली चुनौती इनके गुजर जाने के बाद खड़ी होती है, जो अब जिस भयावह रूप में देखने में आ रही है, उसे संवेदनशील आंखों से देखा जाना भी मुश्किल है।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की रिपोर्ट के निष्कर्ष

अब जबकि अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस को लेकर उत्साह कम हो गया है, बाघ संरक्षण में प्रासंगिक चुनौतियों का जायजा लेने का समय आ गया है। राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण की एक रिपोर्ट से पता चला है कि 2021 और 2025 के बीच 667 बाघों की मौत हुई।

चिंताजनक रूप से, इनमें से 341 मौतें - हताहतों का 51त्न - बाघ अभयारण्यों के बाहर हुईं। 2012 और 2024 के बीच ऐसी मौतों का यह आंकड़ा 42त्न था। वर्षवार आंकड़े बताते हैं कि 2023 में बाघों की सबसे अधिक मौतें हुईं, जिनमें से 100 अभयारण्यों के बाहर हुईं। महाराष्ट्र - जिसके छह समर्पित अभयारण्य हैं - में संरक्षित क्षेत्रों के बाहर सबसे अधिक मौतें हुईं, उसके बाद मध्य प्रदेश का स्थान है। वर्तमान में, 18 राज्यों में 58 अधिसूचित बाघ अभयारण्य हैं। हालाँकि, एनटीसीए की रिपोर्ट से पता चला है कि भारत के अनुमानित 3,682 बाघों में से 30त्न आधिकारिक रूप से घोषित अभयारण्यों के बाहर रहते हैं। आंकड़ों के आधार पर कुछ चिंताजनक निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं। बाघों की आबादी बढ़ने के साथ-साथ, आवास का नुकसान भी बढ़ रहा है। मानव बस्तियों के विस्तार, वनों की कटाई और बुनियादी ढाँचे के निर्माण के कारण वनों के विखंडन ने बाघों की मुक्त आवाजाही को भी प्रतिबंधित कर दिया है, जिससे अंत:प्रजनन का खतरा बढ़ रहा है और आनुवंशिक विविधता का ह्रास हो रहा है।

शिकार के आधार का ह्रास दोहरी मार झेल रहा है। एनटीसीए और भारतीय वन्यजीव संस्थान द्वारा तैयार की गई एक हालिया रिपोर्ट के अनुसार, पूर्वी और मध्य भारत में हिरण, बाइसन और नीलगाय जैसे खुर वाले जानवरों के वितरण में उल्लेखनीय गिरावट आई है, जिससे बाघ मानव बस्तियों में भटकने को मजबूर हो रहे हैं। परिणाम? अवैध शिकार, प्रतिशोधात्मक हत्याओं और मानव-वन्यजीव संघर्षों के बढ़ते मामले। यह सुनिश्चित करने के लिए कि बाघ अभयारण्यों से बाहर न भटकें, बफर जोन को मज़बूत करना महत्वपूर्ण है।

वर्तमान में, अनुमान है कि ऐसे 30त्न जोन पर अतिक्रमण हो चुका है। प्रभावी बाघ संरक्षण वन समुदायों की भागीदारी पर भी बहुत अधिक निर्भर करता है। लेकिन मानव-पशु संघर्ष के कारण बाघों और लोगों के बीच कम होते संबंधों से मौजूदा बाघ आबादी को गंभीर खतरा हो सकता है। आगामी टाइगर्स आउटसाइड टाइगर रिजर्व्स परियोजना को बाघ संरक्षण में बाधा डालने वाली मुख्य सीमाओं पर ध्यान देना होगा। भारत के बाघ संरक्षण प्रयासों की सफलता के बावजूद, एक निरंतर कमी यह है कि यह संख्या के सिद्धांत से बंधा हुआ है। लेकिन बाघों के आवासों की गुणवत्ता ही बाघों की स्वस्थ संख्या को बनाए रखने में मदद कर सकती है।

भारत के हथकरघा: विरासत बुन रहे हैं, भविष्य को सशक्त बना रहे हैं

पबित्रा मार्गेरिटा

हर साल 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस एक ऐसे क्षण का प्रतीक है जो भारत के अतीत को उसके भविष्य से धागे-दर-धागा, कहानी-दर-कहानी जोड़ता है। यह दिन 1905 के स्वदेशी आंदोलन का स्मरण कराता है, जब हाथ से बुना कपड़ा न केवल एक वस्त्र के रूप में, बल्कि प्रतिरोध, आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक पहचान के एक सशक्त प्रतीक के रूप में उभरा। एक नई शुरुआत के रूप में प्रारंभ हुआ यह प्रतीक विरासत, कला और सामुदायिक अभिव्यक्ति के ताने-बाने में बदल गया। हथकरघा क्षेत्र आज ग्रामीण और अर्ध-शहरी भारत में 35 लाख से अधिक बुनकरों और संबद्ध श्रमिकों को रोजगार देता है, जिनमें से 72त्न महिलाएँ हैं। अपनी समृद्धि के कारण, यह क्षेत्र अब एक ऐसे दौर में खड़ा है, जहाँ इसे बिना किसी कमी के नवाचार, बिना किसी अभाव के तकनीक और बिना किसी हाशिए के आधुनिकीकरण की आवश्यकता है।

भारत में हथकरघा बुनाई की समृद्ध विरासत हड़प्पा और मोहनजोदड़ो की प्राचीन सभ्यताओं से जुड़ी है। सहस्राब्दियों से, यह शिल्प फलता-फूलता रहा है और प्रत्येक क्षेत्र ने बुनाई, विशिष्ट तकनीकों, रूपांकनों और अर्थों का अपना तौर-तरीका विकसित किया है। असम के मुगा रेशम की सुनहरी चमक से लेकर प्रसिद्ध बनारसी रेशमी साड़ियों तक; कश्मीर की पश्मीना से लेकर तमिलनाडु की चमकदार कांजीवरम साड़ियों तक, भारत की हथकरघा परंपराएँ उतनी ही विविध हैं, जितने इसके लोग।

एक बुनकर के घर में, जहाँ करघा अक्सर रसोई या एक तरफ के आँगन के साथ जगह साझा करता है, प्रत्येक साड़ी या शॉल एक अनोखी कथा को संप्रेषित करने के लिए तैयार की जाती है। न्यूनतम तकनीक, लेकिन अधिकतम रचनात्मकता के साथ, बुनकर धागों को विरासत में बदल देते हैं। बिना सिले हुए कपड़े, जो भारतीय परिधानों के प्रतीक हैं, क्षेत्रीय अभिव्यक्ति, अनुष्ठानों और कहानी कहने के कैनवास बन गए हैं। हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के शब्दों में, हथकरघा भारत की विविधता और अनगिनत बुनकरों व कारीगरों की कुशलता को दर्शाता है।

पूर्वोत्तर: अवसरों का एक करघा

देश के कुल हथकरघा श्रमिकों में से लगभग 52त्न पूर्वोत्तर क्षेत्र में निवास करते हैंऔर 2019-20 की हथकरघा जनगणना के अनुसार, असम 12.83 लाख से अधिक बुनकरों और 12.46 लाख करघों के साथ देश में अग्रणी है। असम का मैनचेस्टर कहा जाने वाला सुआलकुची, पारंपरिक बुनाई उत्कृष्टता का प्रमाण है, जबकि धेमाजी जिले में मचखोवा जैसे विकासशील केंद्र इस क्षेत्र को और बढ़ावा देते हैं।

इसके सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए, पूर्वोत्तर के लिए सरकार का समर्पित मिशन आदिवासी बुनाई को बढ़ावा देने, हथकरघा पर्यटन को प्रोत्साहित करने, निर्यात को सुविधाजनक बनाने और युवाओं को प्रशिक्षित करने पर केंद्रित है। इस क्षेत्र को एक वैश्विक डिज़ाइन केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है, जहाँ प्राकृतिक रेशे, प्राचीन ज्ञान और आधुनिक उद्यमिता का संगम होता है। राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) के अंतर्गत, पूर्वोत्तर राज्यों के 123 छोटे समूहों को वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। शिवसागर में एक बड़ा हथकरघा समूह स्थापित किया गया है तथा इम्फाल पूर्व और सुआलकुची में ऐसी दो परियोजनाएँ चल रही हैं। इस क्षेत्र में लगभग 3.08 लाख बुनकरों ने प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के अंतर्गत सार्वभौमिक एवं किफायती सामाजिक सुरक्षा के लिए नामांकन कराया है, जिनमें असम के 1.09 लाख बुनकर शामिल हैं।

पुनरुद्धार से पुनरुत्थान तक

पिछले 11 वर्षों में, वस्त्र मंत्रालय के कई विशिष्ट कार्यक्रमों के जरिये भारत के हथकरघा उद्योग में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। समूह विकास पहलों, आधुनिक उपकरणों और ऋण तक पहुँच ने बुनाई को घरेलू गतिविधियों से सूक्ष्म उद्यमों में बदलने में मदद की है।

राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) और कच्चा माल आपूर्ति योजना (आरएमएसएस) ने सूत की आपूर्ति, करघा उन्नयन, कार्य शेड निर्माण से लेकर आधुनिक उपकरणों तक पहुँच प्रदान करके शुरू-से-अंत तक सहायता सुनिश्चित की है। पीएमजेजेबीवाई और पीएमएसबीवाई जैसी योजनाओं से अत्यंत आवश्यक वित्तीय और सामाजिक सुरक्षा मिली है। बुनकरों की मुद्रा योजना के तहत रियायती ऋण और अतिरिक्त राशि (मार्जिन मनी) सहायता ने कार्यशील पूंजी तक पहुँच का विस्तार किया है।

बुनकरों और उद्यमियों के लिए लागत कम करने और उत्पादकता बढ़ाने के उद्देश्य से, उच्च क्षमता वाले क्षेत्रों में हथकरघा पार्क स्थापित करने की योजना है। इन एकीकृत स्थानों में रंगाई इकाइयाँ, तुरंत शुरू करने योग्य (प्लग-एंड-प्ले) कार्यशालाएँ, डिजिटल प्रयोगशालाएँ, शोरूम तथा सौर ऊर्जा एवं अपशिष्ट पुनर्चक्रण जैसी सतत संरचनाएँ शामिल होंगी।

साथ ही, निफ्ट, एनआईडी और अन्य डिज़ाइन संस्थानों के साथ साझेदारी में क्षेत्रीय स्तर पर डिज़ाइन और नवाचार केंद्र स्थापित किए जा रहे हैं, जहाँ डिज़ाइनर और बुनकर बुनाई के पारंपरिक सार का सह-निर्माण, संरक्षण और दस्तावेज़ीकरण करेंगे, और सांस्कृतिक डिज़ाइनों का ऑनलाइन संग्रह तैयार करेंगे। ये अभिनव कार्यक्रम वैश्विक स्तर पर भारतीय हथकरघा के सौंदर्य और व्यावसायिक आकर्षण, दोनों को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

खास खबर

हड़ताल के दौरान प्रशासनिक व्यवस्था बनाए रखने कलेक्टर ने सहायक अधीक्षकों को सौंपा प्रभार

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने प्रशासनिक व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए तहसीलदार एवं नायब तहसीलदारों के हड़ताल अवधि में तहसीलों में कार्यालयीन कार्यों के सुचारू संपादन तथा कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिले के अंतर्गत भू-अभिलेख शाखा में पदस्थ सहायक अधीक्षक भू-अभिलेखों को तहसीलवार प्रशासनिक प्रभार सौंपा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सहायक अधीक्षक, भू-अभिलेख अजय कुमार मेरावी को तहसील दुर्ग का, आलोक शुक्ला को तहसील बोरी का तथा श्याम लाल साहू को तहसील पाटन का प्रशासकीय प्रभार दिया गया है। इसी प्रकार सहायक अधीक्षक, भू-अभिलेख शंकर प्रसाद तिवारी को तहसील अहिवारा का, प्रभा चन्द्राकर को तहसील भिलाई-3 का तथा संतोष कुमार नागरे को तहसील धमधा का प्रभार दिया गया है। आदेश तत्काल प्रभावशील हो गया है।

आंगनबाड़ी सहायिकाओं की भर्ती दावा आपत्ति 10 अगस्त तक

दुर्ग। एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-01 में आंगनगाड़ी कार्यकर्ता/सहायिका के रिक्त पदों पर भर्ती हेतु नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत 02 आंगनबाड़ी सहायिका तथा नगर पालिक निगम रिसाली अंतर्गत 02 आंगनबाड़ी सहायिका कुल 04 आंगनबाड़ी सहायिकाओं के रिक्त पदों की पूर्ति हेतु आवेदन एकीकृत बाल विकास परियोजना भिलाई-01 कार्यालय (जुनवानी चिखली मुख्य मार्ग जुनवानी) में कार्यलयीन समय में सीधे अथवा पंजीकृत डाक द्वारा जिस वार्ड में कार्यकर्ता व सहायिका के पद रिक्त है, उसी वार्ड अंतर्गत स्थानीय आवेदिकाओं से आवेदन आमंत्रित किया गया था। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास परियोजना पदमजा सिन्हा से मिली जानकारी अनुसार नगर पालिक निगम भिलाई अंतर्गत आंगनबाड़ी सहायिका के लिए आंगनबाड़ी केन्द्र वार्ड क्रमांक 06 पाण्डेपारा सुपेला, वार्ड क्रमांक 22 कुरूद 01, नगर पालिक निगम रिसाली अंतर्गत आंगनबाड़ी केन्द्र वार्ड क्रमांक 35 डुन्डेरा-अ और वार्ड क्रमांक 36 डुन्डेरा-स में रिक्त पदों की पूर्ति की जाएगी।

मृतकों के परिजनों को मिली 8 लाख रूपए की आर्थिक सहायता

दुर्ग। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को 8 लाख रूपए की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार हाउस नं. 204, वार्ड नं. 09, दमोदा बोरई तहसील व जिला दुर्ग निवासी झाामबती साहू की विगत 30 मई 2020 को वाहन सहित कोटनी शिवनाथ नदी एनीकेट के पास नदी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इसी प्रकार बिजली नगर छावनी भिलाई जिला दुर्ग निवासी पवन यादव की विगत 02 जुलाई 2020 को नहाते समय पानी में डुबने से मृत्यु हो गई थी।

लोकांगन में रक्षाबंधन का पर्व, हजारों बहनों से रक्षा सूत्र बंधवा विधायक रिकेश सेन ने दिए उपहार

विधायक रिकेश ने कहा - जनप्रतिनिधि नहीं भाई के रूप में सदैव खड़ा रहा हूं

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। वैशाली नगर विधानसभा के लोकांगन परिसर में आज शाम राखी महोत्सव की जम कर धूम रही। हजारों बहनों ने जहां अपने लाडले विधायक भाई रिकेश को राखी बांधी वहीं उनके साथ काफी देर तक म्यूजिक की धुन पर डांस भी किया। शाम 5 बजे से रक्षाबंधन का यह महोत्सव रात्रि 9 बजे तक चलता रहा। राखी महोत्सव आयोजन में लगभग 10 हजार से अधिक बहनों ने अपने विधायक भाई को राखी बांधी। एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया और विधायक ने उपहार देकर बहनों की हर समस्या में उनके लिए खड़े रहने का अपना संकल्प दोहराया।

विधायक सेन ने इस दौरान महिलाओं को न सिर्फ आर्थिक संबलता के लिए चल रही शासकीय योजनाओं की जानकारी दी बल्कि शिक्षा और खेल के क्षेत्र में बालिकाओं को निरंतर आगे बढ़ने की प्रेरणा भी दी। उन्होंने बहनों के स्व रोजगार के लिए हमेशा की तरह हर संभव सहायता का भी संकल्प दोहराया। उन्होंने कहा कि पिछले 18 महीनों में वैशाली नगर विधानसभा के विकास को लेकर दिन-रात चिंता करते हुए मैंने कांग्रेस सरकार में पिछले 5 वर्षों से उपेक्षित वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र को हर मामले में आगे ले जाने का प्रयास किया है। कई कार्य हम सभी को दिखाई देने लगे हैं और बहुत से अभी होने हैं, आने वाले एक दो वर्षों के भीतर जब अधिकांश कार्य मूर्त रूप ले चुके होंगे तो हम छत्तीसगढ़ की सबसे उत्तम और विकसित विधानसभा के रूप में वैशाली नगर को देखेंगे। यहां की जनता ने जिस प्रेम और विश्वास से मुझे हमेशा आगे बढ़ाया है उतनी ही शिद्दत से मैं लगातार कार्य करता रहूंगा। इस इच्छाशक्ति के लिए मुझे क्षेत्र की जनता, युवाओं और माताओं-बहनों ने हमेशा मुझे प्रेरित किया है। लगभग 30 वर्षों की राजनीति में मैं जनप्रतिनिधि के रूप में जिस भी जिम्मेदारी में रहा सदैव मैंने अपने क्षेत्र के लोगों को परिवार मान कर अपनत्व भाव से कार्य किया है। हर वर्ष हजारों बहनें मुझे राखी बांधती रही हैं। रक्षा बंधन का अर्थ है सुरक्षा का बंधन या सुरक्षा का धागा।

यह एक ऐसा त्योहार है जो भाई-बहन के बीच प्रेम और सुरक्षा के रिश्ते का प्रतीक है। ऐसा माना जाता है कि राखी के रंग बिरंगे धागे भाई-बहन के प्यार के बन्धन को मज़बूत करते हैं। भाई बहन एक दूसरे को मिठाई खिलाते हैं और सुख-दुख में साथ रहने का विश्वास दिलाते हैं रक्षाबंधन का त्यौहार भाई-बहन के बीच कर्तव्य के प्रतीक के रूप में मनाया जाता है। यह अवसर उन सभी प्रकार के भाई-बहन के रिश्ते का जश्न मनाने के लिए है जो पुरुष और महिला के बीच जैविक रूप से संबंधित नहीं हो सकते हैं। इस दिन, बहनें अपने भाई की कलाई पर राखी बाँधकर उसकी समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली की कामना करती हैं। आज फिर हजारों बहनें मुझे जिस सुरक्षा और खुशहाली के भाव से रक्षा सूत्र बांधने आईं हैं, मैं उन सभी के लिए जनप्रतिनिधि नहीं भाई के रूप में सदैव खड़ा रहा हूं और हमेशा उनके प्रेम और आशीष का आकांक्षी रहूंगा।

विधायक निवास के समीप स्थित लोकांगन परिसर में वैशाली नगर विधानसभा क्षेत्र की मितानिन, आंगनबाड़ी, नर्स, चिकित्सक, शिक्षिका, व्यवसायी, सामाजिक संस्थाओं से जुड़ी समाजसेवी बहनों ने हजारों की संख्या में पहुंच विधायक रिकेश सेन को रक्षा सूत्र बांधा। पिछले 25 वर्षों से विधायक रिकेश सेन, पार्षद रहते हुए भी प्रत्येक रक्षाबंधन पर यह आयोजन करते रहे हैं। दरअसल उनका मानना है कि प्रत्येक तीज त्यौहारों के ऐसे आयोजन में वो अपने क्षेत्र की जनता से पारिवारिक रूप से सम्बद्ध होते हैं। इससे सभी के सुख-दु:ख में सहभागिता और जनता से जमीनी रूप में जुड़ कर काम करने का उन्हें सम्बल मिलता है।

विधायक देवेन्द्र के साथ हजारों बहनों ने मनाया रक्षाबंधन का पर्व : विधायक बोले -

भिलाई मेरा परिवार, यही मेरा सबसे बड़ा धन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। रक्षाबंधन के अवसर पर भिलाई नगर विधायक ने एक बार फिर अपने अनोखे और भावनात्मक आयोजन से लोगों के दिल जीत लिए। सेक्टर-5 स्थित एक विशाल पंडाल में भव्य रक्षाबंधन पर्व का आयोजन किया गया, जहां पूरे विधानसभा क्षेत्र से हजारों महिलाएं और युवतियां विधायक को राखी बांधने के लिए उमड़ीं।

यह आयोजन हर साल की तरह इस वर्ष भी विधायक द्वारा स्वयं के स्तर पर आयोजित किया गया था, जिसमें राखी बांधने के साथ-साथ महिलाओं के लिए विशेष भोजन, मनोरंजन, गीत-संगीत, और छत्तीसगढ़ी सुआ नृत्य की भी आकर्षक प्रस्तुति हुई। इस दौरान विधायक देवेन्द्र का पूरा हाथ राखियों से

भर गया था। बहनों के स्नेह और आशीर्वाद से अभिभूत विधायक ने भावुक होते हुए कहा ङ्कपूरा भिलाई मेरा परिवार है। यह रक्षाबंधन सिर्फ एक पर्व नहीं, बल्कि हमारे विश्वास और प्रेम का प्रतीक है। यह परंपरा सालों से चल रही है, और इसे मैं हर साल अपनी बहनों के साथ मनाता हूं। रक्षाबंधन पर्व के इस आयोजन में सुबह से ही महिलाओं की भीड़ लगने लगी थी। आयोजन समिति द्वारा पंडाल में बैठने, खाने और सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की गई थी। छत्तीसगढ़ी लोकनृत्य और गीत-संगीत ने माहौल को और भी उल्लासमय बना दिया। विधायक देवेन्द्र यादव ने राखी बांधने पहुंची सभी बहनों का अभिवादन किया।

जेल में था तब भी पहुंची थी हजारों बहनें

विधायक देवेन्द्र ने याद करते हुए कहा पिछले साल जब मैं जेल में था, तब भी मेरी बहनें राखी लेकर वहां पहुंचीं थीं। यह सिर्फधागा नहीं, बल्कि प्यार, विश्वास और आशीर्वाद का प्रतीक है। यही मेरा सबसे बड़ा धन है। राखी बांधने पहुंची महिलाओं ने विधायक को तिलक कर रक्षा सूत्र बांधा और उनकी लंबी उम्र, सफलता और स्वस्थ जीवन की कामना की। कई बहनों ने कहा कि विधायक से उनका रिश्ता सिर्फएक जनप्रतिनिधि का नहीं, बल्कि भाई जैसा है, जो हर समय उनके साथ खड़ा रहता है।

आयुक्त ने निर्माणाधीन सीमेंटीकरण रोड एवं शौचालय का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई जोन 03 अंतर्गत टाटा लाइन में सीमेंटीकरण रोड एवं नाली निर्माण, पावर हाउस सर्कुलर मार्केट में शौचालय निर्माण, नालियो की साफ-सफाई एवं पार्किंग व्यवस्था का निरीक्षण आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय एवं जोन आयुक्त येशा लहरे द्वारा किया गया।

वार्ड क्रं. 36 टाटा लाईन में 20 लाख रूपये की लागत से सीमेंटीकरण रोड एवं नाली निर्माण कार्य किया जा रहा है। आयुक्त ने रोड में पर्याप्त पानी तराई एवं शेष कार्य को अविलंब तथा गुणवत्तायुक्त पूर्ण करने ठेकेदार सिद्वार्थ शुक्ला को निर्देशित किए है। पावर हाउस सर्कुलर मार्केट में जिला खनिज न्यास मद अंतर्गत निर्माणाधीन सार्वजनिक सुलभ शौचालय का निरीक्षण किया गया। शौचालय निर्माण का कार्य प्रगतिरत है, जिसे अविलंब पूर्ण कराने सहायक अभियंता नितेश मेश्राम को निर्देशित किया गया है। इस शौचालय के निर्माण से सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट एवं सब्जी मार्केट में आने वाले लोगो को सुविधा मिलेगी। टाटा लाईन, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट क्षेत्र में पेयजल आपूर्ति एवं नालियों की साफ-सफाई व्यवस्था का जायजा लेते हुए आवश्यक सुधार कराने जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे को निर्देशित किया गया है। सामने रिक्त स्थल में पार्किंग व्यवस्था हेतु सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन को निर्देशित किया गया है।

स्वतंत्रता दिवस समारोह आयोजन के लिए अधिकारियों को दी गई जिम्मेदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन जिले में गरिमामयी एवं हर्षोल्लास के साथ जिला मुख्यालय स्थित प्रथम बटालियन दुर्ग में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन प्रात: 9:00 बजे से किया जाएगा।

सभी शासकीय कार्यालयों में सुबह 8:00 बजे ध्वजारोहण किया जाएगा। स्वतंत्रता दिवस समारोह के सफल आयोजन के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह ने अधिकारियों को विभागवार जिम्मेदारी सौंपी है। जिसके अनुसार अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी दुर्ग को संपूर्ण कार्यक्रम हेतु प्रभारी अधिकारी का दायित्व दिया गया है। ध्वजारोहण उपरांत जिला मुख्यालय में परेड की सलामी ली जायेगी। जिसके लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दुर्ग, कमाण्डेंट होमगार्ड दुर्ग एवं कमाण्डेंट केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल भिलाई को दायित्व सौंपा गया है। 15 अगस्त के पूर्व नगर में सभी जगह, सभी महत्वपूर्ण स्मारकों की साफसफाई सुनिश्चित कराने के लिए आयुक्त नगर निगम दुर्ग, आयुक्त नगर निगम भिलाई, महाप्रबंधक नगर प्रशासन बीएसपी भिलाई तथा समस्त नगरीय निकाय प्रमुख को दायित्व दिया गया है। पंचायत स्तर पर निर्मित जय स्तंभों की साफ-सफाई की व्यवस्था अपने-अपने क्षेत्रों में उप संचालक पंचायत दुर्ग एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सर्व द्वारा कराई जायेगी। सर्व कार्यालय प्रमुख, अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) सर्व जिला दुर्ग तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सर्व जिला दुर्ग को जिले के सभी तहसील, विकासखण्ड, ग्राम स्तर पर सामान्य प्रशासन विभाग छत्तीसगढ़ शासन से प्राप्त दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए समारोह का आयोजन सुनिश्चित कराने का दायित्व दिया गया है। अतिथियों, अधिकारी/कर्मचारियों तथा दर्शकों के वाहनों की समुचित पार्किंग व्यवस्था उप पुलिस अधीक्षक यातायात तथा पुलिस अधीक्षक जिला दुर्ग करेंगे। कार्यक्रम स्थल में एम्बुलेंस एवं प्राथमिक उपचार हेतु मेडिकल टीम की व्यवस्था मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग द्वारा तथा अग्नि शमन यंत्र की व्यवस्था कमाण्डेंट होमगार्ड दुर्ग द्वारा की जाएगी।

अतिथिगण, प्रेस, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, आम जनता, महिला एवं पुरुष के लिए अलग-अलग सेक्टर का निर्माण कार्यपालन अभियंता, लोक निर्माण विभाग एवं आयुक्त नगर पालिक निगम, दुर्ग के द्वारा की जायेगी। बेरिकेटिंग के लिए आवश्यकता अनुसार बांस, बल्लियां वनमण्डलाधिकारी दुर्ग के द्वारा प्रथम बटालियन दुर्ग में उपलब्ध करायी जाएंगी। बेरिकेटिंग का कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा अनुविभागीय अधिकारी दुर्ग एवं नगर पुलिस अधीक्षक, दुर्ग के साथ समन्वय कर किया जाएगा। नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा कार्यक्रम स्थल एवं प्रथम बटालियन दुर्ग की साफ-सफाई, पेयजल हेतु टेंकर, मोबाईल टायलेट इत्यादि की व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। वाटरप्रुफ शामियाना एवं कुर्सियों, सोफा सेट, नगर नगर पालिक निगम भिलाई-चरोदा एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी, नगर पालिका परिषद/नगर पंचायत धमधा अहिवारा द्वारा की जाएगी।

रामलला दर्शन योजना के तहत दुर्ग से 149 श्रद्धालुओं का जत्था अयोध्या के लिए रवाना

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की महत्वपूर्ण योजना 'रामलला दर्शन योजना' के अंतर्गत दुर्ग जिले से रामभक्तों का एक बड़ा जत्था अयोध्या धाम के लिए रवाना हुआ। दुर्ग रेलवे स्टेशन से 149 श्रद्धालुओं को ट्रेन के माध्यम से रवाना किया गया, जिनमें 120 श्रद्धालु ग्रामीण क्षेत्र से तथा 29 शहरी क्षेत्र से शामिल हैं।

इस अवसर पर अहिवारा विधायक डोमनलाल कोर्सेवाड़ा, दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर, दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव, महापौर अलका बाघमार, जिला पंचायत अध्यक्ष सरस्वती बंजारे, कमिश्नर सत्यनारायण राठौर, कलेक्टर अभिजीत सिंह, सीईओ जिला पंचायत बजरंग दुबे ने श्रद्धालुओं से भरी ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

श्रद्धालुओं को स्टेशन पर फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया।

यात्रा के दौरान भोजन, आवास एवं अन्य सुविधाओं की संपूर्ण व्यवस्था प्रशासन द्वारा सुनिश्चित की गई है। तीर्थयात्री 9 अगस्त की रात को अयोध्या दर्शन कर लौटेंगे। रवाना होते समय श्रद्धालुओं को जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित मासिक पत्रिका 'छत्तीसगढ़ जनमन' की प्रतियां भी भेंट की गईं। श्रद्धालुओं ने इस योजना की सराहना करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हर वर्ग को इस योजना का लाभ मिल रहा है। इस अवसर पर समाज कल्याण विभाग के उपसंचालक ए.पी.गौतम, सुरेन्द्र कौशिक एवं रेलवे विभाग के अन्य अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

निगम भिलाई से 8 यात्री अयोध्या श्री राम लला दर्शन के लिए रवाना हुए

भिलाई। अयोध्या में श्री राम मंदिर के निर्माण के बाद केंद्र शासन की कल्याणकारी योजना श्री रामलला दर्शन योजना की शुरुआत की गई थी जिसके तहत विभिन्न स्थानों से सभी प्रदेशों से सीधे अयोध्या के लिए स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है जिसके तहत वरिष्ठ नागरिकों को अयोध्या धाम में श्री राम लला के दर्शन करवाए जा रहे हैं। इसी योजना के तहत राजनांदगांव से चलकर सीधे अयोध्या जाने वाली विशेष ट्रेन बुधवार को दुर्ग स्टेशन पहुंची। दुर्ग कलेक्टर अभिजीत सिंह ने हरी झंडी दिखाई और ट्रेन को अयोध्या के लिए रवाना किया। अयोध्या जाने वाली इस विशेष ट्रेन में सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम केंद्र सरकार के द्वारा किया गया है ट्रेन में अयोध्या दर्शन को जाने वाले सभी दर्शनार्थियों के लिए निशुल्क भोजन की व्यवस्था भी उपलब्ध कराई गई है।

Since 1972
CROWN® - TV
Choice Of Millions
LED Available 16 -20 -22 - 24 - 32-40-50-55-65
Maa Durga Electronics 9827183839
Rohit Electronics 94242-02866
Premier sales: 8959493000
A Leela Electronics: 9425507772
Reena Electronics: 9329132299
Shree Electronics: 7000827361
Authorised Distributers For Chhattisgarh
Trade Enquiry: 98262-52372

खास खबर...

दुग्ध सहकारी समिति धनगॉव (च.) को मिला पंजीयन प्रमाण पत्र

रायपुर। दुग्ध सहकारी समिति धनगॉव (च.) विकासखण्ड मुंगेली का पंजीयन उपरांत प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। जिला कलेक्टोरेट में आयोजित जनदर्शन में कलेक्टर कुन्दन कुमार ने समिति के अध्यक्ष ऋषिराज सिंह और उपाध्यक्ष धर्मेन्द्र साहू को दुग्ध पंजीयन प्रमाण पत्र प्रदान किया। दुग्ध सहकारी समिति धनगॉव (च.) का पंजीयन हो जाने से आसपास के 05 से 08 गॉवों के दुग्ध उत्पादक किसान उक्त समिति में ही वास्तविक मूल्य पर दुग्ध बेच सकेंगे, इससे किसानों के शहर आने-जाने में लगने वाले समय की बचत होगी। साथ ही आवागमन में होने वाला खर्च भी बचेगा।

उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. आर. एम. त्रिपाठी ने बताया कि पशुपालकों के आय में वृद्धि हेतु शासन की फ्लैगशीप योजना सहकार से समृद्धि के तहत समस्त ग्राम पंचायतों में सहकारी समिति का गठन किया जाएगा। अभी तक 7 दुग्ध सहकारी समितियों का गठन किया जा चुका है। इससे गॉव के किसानों को बेहतर सुविधा प्राप्त होगी।

लाखेनगर मैदान में गणेश मूर्तियों की दुकानें लगाने के निर्देश

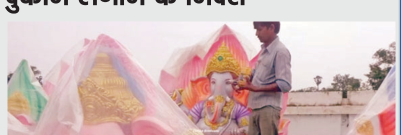

रायपुर। राजधानी की सड़कों पर अक्सर त्योहारी सीजन में जाम की स्थिति बनती थी, जिससे निपटने के लिए निगम ने मुहीम शुरू कर दी है। इस बार गणेशोत्सव के लिए मूर्तियों की बिक्री सड़क किनारे नहीं होगी। जोन 5 और जोन 7 क्षेत्र में सड़क किनारे मूर्तियों की बिक्री करते पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। निगम ने लाखेनगर मैदान में मूर्तिकारों को मूर्तियां बेचने की अनुमति दी है।

महापौर मीनल चौबे के निर्देश पर एमआईसी मेंबर दीपक जायसवाल ने जोन कमिश्नर खीरसागर नायक और राकेश शर्मा के अलावा अधिकारियों के साथ मूर्तिकारों की बैठक बुलाई। इनमें मूर्तिकार संघ के अध्यक्ष श्री शुद्ध प्रजापति, पदाधिकारी रवि प्रजापति, कुती प्रजापति और अरूण प्रजापति शामिल हुए।

कुम्हार समाज के साथ ही मूर्तिकारों ने भी अपनी सहमति दे दी। बैठक में मूर्तिकारों को बताया गया कि सडक पर श्रीगणेश मूर्ति का विक्रय करने के कारण शहर में यातायात व्यवस्था पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ता है। इसीलिए सभी जोनो में 1 स्थान निर्धारित कर वहा व्यवस्थित रूप से श्रीगणेश मूर्तियों का विक्रय करने की व्यवस्था देने प्रयास किया जा रहा है।

राखी पर्व पर बाजार सजे, राखी 9 को

रायपुर। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी रक्षाबंधन का पर्व राजधानी सहित पूरे प्रदेश भर में 9 अगस्त को धूमधाम से मनाया जाएगा। राखी को लेकर शहर के प्रमुख बाजार मालवीय रोड सदर बाजार, गोल बाजार एवं विभिन्न माल्स में बहनों की भीड़ जमकर देखने को मिल रही है। अच्छी बिक्री होने के कारण दुकानदारों के चेहरे खिले हुए हैं। राखी व्यापारियों के अनुसार इस वर्ष 20 से 30 प्रतिशत बाजार में अधिक राखी बिकने की संभावना है। बहनों के लिए राखी के विभिन्न डिजाइन बाजार में उपलब्ध है जिनमें हनुमान जी, राधा कृष्णा, कढ़ाई वाल राखियां अत्यंत पसंद की जा रही है। वहीं बच्चों में छोटा भीम, डोरेमान एवं चमकीली राखियों की बिक्री में इजाफा देखा जा रहा है। राखी व्यापारियों के अनुसार बाजार में दो रुपये से लेकर पांच हजार रुपये तक राखी बहनों द्वारा खरीदी जा रही है। वहीं सराफा बाजार के प्रमुख व्यावसायी शांति लाल बड़रिया के अनुसार सिल्वर राखियां डेढ़ सौ रुपये से दो हजार रुपये तक तथा गोल्डन राखियां 550 रुपये से 3 हजार रुपये के मध्य खरीदी जा रही है।

300 सफाई मित्रों व स्वच्छता दीदियों का महापौर ने किया सम्मान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में रायपुर शहर को देश में रैंकिंग में चौथा स्थान मिलने और रायपुर शहर के गार्बेज फ्री सिटी श्रेणी में छत्तीसगढ़ में पहला 7 स्टार शहर बनने पर आज नगर पालिक निगम रायपुर के जोन 2 कार्यालय में जोन 2 के सभी 7 वार्डों में कार्यरत 300 सफाई मित्रों, स्वच्छता दीदियों को नगर निगम रायपुर की महापौर मीनल चौबे ने सभापति सूर्यकांत राठौड़, आयुक्त विश्वदीप, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्षा गायत्री सुनील चंद्राकर, राजस्व विभाग अध्यक्ष अवतार भारती बागल, वित्त विभाग अध्यक्ष महेन्द्र खोडियार, पार्षद रामहिन कुर्रे, खगपति सोनी, अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय, स्वास्थ्य अधिकारी श्रीमती प्रीति सिंह, जोन 2 जोन कमिश्नर डॉ. आरके डोंगरे कार्यपालन अभियंता पीडी घृतलहरे, जोन स्वास्थ्य अधिकारी रवि लावनिया की उपस्थिति में प्रत्येक स्वच्छता दीदी और सफाई मित्र को 1000 रू. नगद प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित करते हुए मंच पर उनका उत्साहवर्धन किया। नगद प्रोत्साहन राशि राखी के पूर्व मिलने पर स्वच्छता दीदियों और सफाई मित्रों ने नगर निगम महापौर मीनल चौबे, सभापति सूर्यकान्त राठौड़, आयुक्त विश्वदीप को हार्दिक धन्यवाद दिया है।

महापौर मीनल चौबे ने कहा कि स्वच्छता दीदियां व सफाई मित्र नगर निगम में सफलता की कुंजी है जिनसे नगर निगम को पूरे देश में स्वच्छता बेहत्तर होने के कारण सम्मानित किया गया। महापौर ने सखी के पूर्व आयोजन रखकर जोन 2 के सभी सफाई मित्रो एवं स्वच्छता दीदियों को 1000-1000 रुपए की नगद प्रोत्साहन राशि देकर सम्मानित करने पर समापति सूर्यकात राठौड़ सहित जोन 2 के वार्ड पार्षदो, जोन के अधिकारियों, कर्मचारियों को सराहा।

आयुक्त विश्वदीप ने कहा कि स्वच्छता दीदियों व सफाई मित्रों का सम्मान शहर का गौरव बढ़ाने में योगदान देने पर किया जाना अच्छा आयोजन है। इसके लिए उन्होने सभापति सूर्यकांत राठौड एवं जोन 2 कमिश्नर डॉ. आरके डोंगरे सहित नगर निगम जोन 2 के अधिकारियों, कर्मचारियों की पूरी टीम को सराहा। सभापति सूर्यकात राठौड़ ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि राखी के पूर्व सभी स्वच्छता दीदियों एवं सफाई मित्रों को रायपुर नगर निगम 1000-1000 रुपए नगद प्रोत्साहन राशि दे एवं सम्मानित करें इस हेतु उन्होने महापौर गीनल चौबे, आयुक्त विश्वदीप के साथ मिलकर सतत प्रयास किया एवं इसमे आज नगर निगम जोन 2 में सम्मान करना वाकई प्रसन्नतादायक है। सभापति सूर्यकान्त राठौड़ ने सभी स्वच्छता दीदियों एवं सफाई मित्रों के शहर को स्वच्छ बनाने के कार्य में हर मौसम में दिये जाने वाले योगदान को सराहा। कार्यकम का सम्पूर्ण संचालन एवं आभार प्रदर्शन कार्यपालन अभियंता पीडी घृतलहरे ने किया।

मांगों पर बनी सहमति, हड़ताल समाप्त

राजस्व मंत्री वर्मा की पहल से वार्ता सफल, विभागीय कार्य नियमित रूप से होंगे संचालित

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजस्व संघ के संसाधन नहीं तो काम नही सिद्धान्त पर आधारित 17 सूत्रीय मांगों की पूर्ति हेतु विगत सकारात्मक पहल नहीं होने पर 28 जुलाई से चरणबद्ध आंदोलन पर बैठे राजस्व अधिकारियों ने राजस्व मंत्री के सकारात्मक पहल और ठोस आश्वासन पर हड़ताल से वापस हो गए। राज्य में गत कुछ दिनों से चल रही राजस्व अधिकारियों की हड़ताल अब समाप्त हो गई है। राजस्व मंत्री श्री टंक राम वर्मा के निवास कार्यालय में हुई महत्वपूर्ण बैठक के बाद राजस्व संघ के पदाधिकारियों ने हड़ताल वापस लेने की घोषणा की।

राजस्व मंत्री ने इस अवसर पर कहा, राजस्व विभाग शासन की रीढ़ है, और अधिकारियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उनकी समस्याओं को शासन गम्भीरता से लेता है और उचित समाधान हेतु कटिबद्ध है। इस अवसर पर राजस्व सचिव, राजस्व संचालनालय के संचालक तथा उप सचिव भी उपस्थित रहे। संघ के प्रतिनिधियों ने विभागीय अधिकारियों से विस्तृत चर्चा कर अपनी मांगों एवं समस्याओं को सामने रखा। मंत्री श्री वर्मा ने उनकी सभी बातों को गंभीरता से सुनते हुए समाधान हेतु आवश्यक आश्वासन दिए। संघ पदाधिकारियों ने भरोसा जताया कि राज्य शासन द्वारा समयबद्ध ढंग से उनकी मांगों का समाधान किया जाएगा।

मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने राजस्व विभाग को सुचारू बनाए रखने हेतु तत्परता से पहल की। राजस्व सचिव व अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने संघ के प्रतिनिधियों से विस्तृत विमर्श कर समाधान के लिए मार्ग प्रशस्त किया। संघ द्वारा प्रस्तुत मुख्य मांगों पर गंभीरता से विचार करते हुए प्रशासन ने कई अहम बिंदुओं पर सहमति जताई है। परिणामस्वरूप, राजस्व अधिकारियों ने हड़ताल समाप्त कर पुनः कार्यभार संभालने की घोषणा की है।

50 अनुपात की बहाली पर कार्यवाही की जाएगी। राजस्व अधिकारियों को राजपत्रित दर्जा दिए जाने की मांग पर नायब तहसीलदार एवं तहसीलदार को राजपत्रित करने संबंधी प्रस्ताव पर शासन ने त्वरित कार्रवाई करने का आश्वासन दिया। लंबित पदोन्नति प्रकरणों का निराकरण करते हुए नायब तहसीलदारों एवं तहसीलदारों के लंबित ग्रेड पे और पदोन्नति मामलों का शीघ्र निपटारा किया जाएगा। इसी तरह सभी तहसीलों में कार्यरत अधिकारियों को प्रोटोकॉल एवं लॉ एंड ऑर्डर ड्यूटी हेतु शासकीय वाहन व चालक की सुविधा उपलब्ध कराए जाने का आश्वासन मिला है। राजस्व विभाग में बिना वैध प्रक्रिया के निलंबन अथवा अभियोजन से प्रभावित अधिकारियों की स्थिति की 15 दिवस के भीतर जांच कर बहाली की कार्रवाई की जाएगी। इस निर्णय से राज्यभर के राजस्व कार्यालयों में कामकाज पुनः सामान्य हो गया है, जिससे आम जनता को राहत मिली है। संघ ने शासन की तत्परता और समाधानात्मक रुख की सराहना करते हुए भरोसा जताया कि लंबित विषयों पर आगे भी संवेदनशील निर्णय लिए जाएंगे। यह वार्ता संवाद और समन्वय के माध्यम से प्रशासनिक समस्याओं के समाधान का सफल उदाहरण बनी है।

हड़ताल की वापसी से राहत

हड़ताल समाप्त होने के बाद प्रदेश भर में राजस्व संबंधी कार्यों के पुनः सुचारू संचालन का मार्ग प्रशस्त हो गया है। इससे नामांतरण, बंटवारा, भू-अधिकार अभिलेख, सीमांकन जैसे कार्यों में हो रही देरी पर रोक लगेगी और आम जनता को बड़ी राहत मिलेगी। यह निर्णय राजस्व विभाग एवं शासन के बीच संवाद, सहमति और समाधान की संस्कृति को दर्शाता है, जो प्रशासनिक मजबूती और जनसेवा के लिए अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर राजस्व संघ के प्रांताध्यक्ष कृष्ण कुमार लहरे, कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष विक्रांत सिंह राठौर,प्रदेश सचिव प्रशांत पटेल,प्रदेश प्रवक्ता शशिभूषण सोनी सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे।

महापौर-आयुक्त ने कार्यालय में सफाई कार्य की समीक्षा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। नगर पालिक निगम की महापौर मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष गायत्री सुनील चंद्राकर, आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर पालिक निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय ने नगर निगम के सभी 10 जोन कार्यालयों में जाकर जोन कमिश्नरों, स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता रघुमणि प्रधान, जोन स्वास्थ्य अधिकारी, स्वच्छता निरीक्षकों, वार्ड सफाई सुपरवाइजरों, रामकी कम्पनी के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में जोन क्षेत्र अंतर्गत वार्डों के सफाई सम्बंधित कार्यों की समीक्षा कर आवश्यक निर्देश जोन कमिश्नरों और जोन स्वास्थ्य अधिकारियों, रामकी कम्पनी के प्रतिनिधियों को दिए हैं।

नगर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय ने जोन क्रमांक 8 कार्यालय में जोन 8 जोन कमिश्नर राजेश्वरी पटेल, स्वच्छ भारत मिशन के नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता रघुमणि प्रधान, जोन 8 जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन की उपस्थिति में बैठक लेकर वार्डों के अनुबंधित सफाई ठेकेदारों के कार्यों, सफाई ठेका कामगारों की वार्डवार निर्धारित संख्या, दैनिक उपस्थिति की जानकारी लेकर प्रतिदिन शत-प्रतिशत संख्या में सफाई ठेका कामगारों की कार्य पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उल्लेखनीय है कि महापौर, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष, आयुक्त के निर्देश पर नगर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य ने विगत दिवस हाल ही में नगर निगम के सभी 10 जोनों के जोन कमिश्नर कार्यालयों में जोन स्वास्थ्य विभागों की सफाई सम्बंधित समस्त कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक लेकर सम्बंधित जोन कमिश्नरो और जोन स्वास्थ्य अधिकारियों सहित जोन के सम्पूर्ण स्वच्छता अमले के अधिकारियों और कर्मचारियों सहित रामकी कम्पनी के सम्बंधित प्रतिनिधियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं। सफाई सम्बंधित समस्त कार्यों की जोनवार समीक्षा करते हुए नगर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय ने निर्देश दिए कि रायपुर नगर पालिक निगम सीमा क्षेत्र में कहीं पर भी किसी भी स्थान पर कोई मुक्कड़ नहीं दिखना चाहिए। रायपुर शहर गार्बेज फ्री सिटी में छत्तीसगढ़ राज्य का पहला 7 स्टार शहर है। नगर निगम अपर आयुक्त स्वास्थ्य विनोद पाण्डेय ने रामकी कम्पनी के प्रतिनिधियों को निर्देश दिए कि रायपुर नगर पालिक निगम के अंतर्गत समस्त 10 जोनों के तहत सभी 70 वार्डों के क्षेत्रों के अंतर्गत समस्त घरों से प्रतिदिन नियमित शत-प्रतिशत डोर टू डोर कचरा कलेक्शन की व्यवस्था प्राथमिकता से सुनिश्चित की जाये। अपर आयुक्त स्वास्थ्य ने निर्देश दिए।

रायपुर में ज्ञान की रोशनी फैलाने 9 दान दाताओं ने की 76 पुस्तकों की भेंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के निर्देशानुसार रायपुर जिला प्रशासन की अभिनव पहल 'स्मृति पुस्तकालय योजना' के आज 9 दानदाताओं ने 76 पुस्तकें दान की, जिनमें करियर गाइड, प्रतियोगी परीक्षाओं की सामग्री और प्रेरणादायक किताबें शामिल रहीं।

दान करने वालों में मीर अली मीर, सचिन साहू, शशांक देवांगन,अनएकेडमी, शैलेन्द्र, सुश्री शबाना, विपुल वर्मा, कमल व्यास शर्मा, आरिफ खान ने अपना अमूल्य योगदान दिया। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह तथा एसएसपी डॉ. लाल उम्मेद सिंह ने उन्हें सम्मान पत्र भेंट कर उनके प्रयास की सराहना की। यह पहल बच्चों के लिए न सिर्फ पुस्तकालय बन रही है, बल्कि उम्मीद की एक नई किरण भी साबित हो रही है। दानदाताओं ने कहा, हमारा छोटा सा योगदान किसी बच्चे की जिंदगी में बड़ा बदलाव ला सकता है। जिला प्रशासन ने जनता से अनुरोध है कि इस ज्ञानयात्रा में सहभागी बनें और पुस्तक दान कर समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में भूमिका निभाएं। योजना के तहत अब तक लगभग 1300 से अधिक किताबें दान दी गई है। इस कार्यक्रम में निगम आयुक्त विश्वदीप, अपर कलेक्टर सुश्री नम्रता जैन, जिला पंचायत सीईओ कुमार बिश्वरंजन सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

महिलाओं की सावन महोत्सव में दिखी हरियाली की छटा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सावन के पावन अवसर पर लेडीज़ क्लब द्वारा एक भव्य और रंगारंग किटी पार्टी का आयोजन किया गया, जिसकी मेज़बानी भारती राव एवं वीणा नायडू ने की। कार्यक्रम की शुरुआत क्लब की संरक्षिका कामिनी कौशिक, संचालिका उषा गुप्ता, अध्यक्ष काजल सिन्हे, सचिव साधना साहू एवं कोषाध्यक्ष रचना नायडू द्वारा दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ की गई। इसके पश्चात क्लब की प्रार्थना की गई और विश्व शांति के लिए सभी ने मौन रखा।

कार्यक्रम में कामिनी कौशिक जी ने सावन और हरियाली त्यौहार के महत्व पर प्रकाश डालते हुए गुरुकुल की सभी सखियों को बधाई दी। संचालिका उषा गुप्ता ने सभी को सावन की शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ाया। मुख्य आकर्षण के रूप में हरित हाउजी, सावन क्वीन चयन, हरित श्रृंगार प्रतियोगिता और ग्रीन हाउजी जैसी विविध गतिविधियां आयोजित की गईं। हरित हाउजी में नीता अजमानी प्रथम, शुभ्रा गौर द्वितीय और ज्योति गुप्ता तृतीय स्थान पर रहीं।

सावन क्वीन का खिताब संगीता सिन्हा को मिला। हरित श्रृंगार में लीला शर्मा ने प्रथम, नीता रन सिंह ने द्वितीय, और पूनम सिंह एवं गायत्री साहू ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वीणा जी की हाउसिंग में शिरीन हाशमी, लीला शर्मा और मंजू सेन एवं मंजू महावर विजेता रहीं। द्वितीय हाउजी में रचना नायडू, नीता रन सिंह और आरती कौशिक क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहीं। कार्यक्रम का संचालन भारती राव ने किया, जिनकी मधुर वाणी ने समस्त आयोजन को आनंदमय बना दिया। महिलाओं ने झूले का आनंद लेते हुए सावन गीतों पर झूम कर मनोहारी वातावरण रच दिया।

अध्यक्ष द्वारा आयोजित गेम्स में भी महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। क्लब हाउजी में सीमा हरदेल, लीला शर्मा और शुभ्रा गौर विजेता बनीं। निर्णायक की भूमिका ज्योति गुप्ता और श्रद्धा कश्यप ने निभाई। सभी महिलाएं हरे परिधान में सज-धजकर आई थीं, और नृत्य-गीतों के साथ स्वादिष्ट व्यंजनों का भी भरपूर आनंद उठाया। इस अवसर पर क्लब की सदस्याएं — बबली राजोरिया, माधवी शर्मा, शारदा साहू, मंजू सेन, बलजीत आनंद, देविका साहू, गायत्री साहू, नीता रन सिंह, सबीना रिज़वी, प्रेम चौधरी, अनीता साहू सहित बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। यह जानकारी क्लब की प्रेस सचिव माधवी शर्मा द्वारा साझा की गई।

विकारों से मुक्त जीवन ही आत्मा को परमात्मा बनाएगा : मनीष सागर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। टैगोर नगर स्थित पटवा भवन में मंगलवार को चातुर्मासिक प्रचवनमाला में युवा मनीषी मनीष सागरजी महाराज ने कहा कि हमारा जीवन निर्विकार होना चाहिए। विकार मुक्त जीवन ही हमारी आत्मा की अशुद्धियों को दूर कर परमात्मा बनाएगा। मोह, माया, मान, लोभ,क्रोध आदि विकार जीवन में नहीं होने चाहिए। केवल क्षमा का भाव होना चाहिए। ऐसा काम नहीं करो, जिससे आपको नीचे गिरना पड़े। जैन धर्म भी कहता है- आप नीचे से ऊपर उठो। आत्मा से परमात्मा बनो। जीवन में विकार नहीं करना है। यह अभ्यास होना चाहिए कि स्थिति कैसी भी आए साधना करते-करते ऐसी स्थिति प्राप्त करो कि मन की स्थिति ना बिगड़े।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जब क्रोध आए तो जा भी सकता है। अभ्यास ऐसा हो कि क्रोध नहीं करेंगे। व्यक्ति की आदतें कितनी भी बिगड़ी हो, जब वह अपनों से मिलता है तो विकार नहीं आते। यही प्रयास बाहर भी होना चाहिए। बाहर भी विकार ना आए ऐसा प्रयास करो। आपके भीतर जो योग्यता है वैसा बनने का प्रयास करो। जहां विकार है वहां भार है। जहां विकार नहीं वहां आनंद है। आप में क्रोध नहीं है तो आपको फायदा होगा। क्रोध नहीं होने से आप शांत रहोगे। लगातार अपने योग्यता को बढ़ाएं। इस भाव में नहीं होगा लेकिन आगे आने वाले भवों में प्रयास सफल होगा। ऐसा प्रयास कर ही आत्मा परमात्मा बनेगी।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हम हर चीज प्रारंभ चिंतन से करते हैं। धीरे-धीरे उसे चिंताओं में पहुंचा देते हैं। अंत में चिता ही बच जाती है। चिता में जाने से पूर्व चिंतन की चिंता में रहते हैं। आत्मा ही परमात्मा बनेगी यह आपके भीतर शंका है। आत्मा को पूरी तरह आपने समझा नहीं है। आत्मशक्ति को पहचाना नहीं है। आपको विश्वास नहीं है कि आत्मशक्ति में बहुत ताकत है। जिस दिन अपनी आत्मशक्ति पर भरोसा हो जाएगा, उस दिन आत्मा निर्विकार हो जाएगी। सद्गुरु जो सत्य बताते हैं वह समझ आना चाहिए। विश्वास होगा, तभी आनंद आएगा।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि आत्मा यदि परमात्मा बनेगी तो स्वयं के बल पर ही बनेगी। वह बल आपके रहता है। इसे आत्म स्वरूप कहते हैं। यही स्वयं का स्वरूप है। यह हर आत्मा में मौजूद है। आत्मा के स्वभाव को समझेंगे तो इसकी पहचान भी समझ आती है। आत्मा के अनंत सद्गुण किसी भी गति में कभी नष्ट नहीं हो सकते। आत्मा का स्वभाव किसी से प्रभावित नहीं होता है। जैसे परमात्मा किसी भी परिस्थिति में प्रभावित नहीं होते हैं। उपाध्याय भगवंत ने कहा कि जिस दिन यह अनुभव होगा कि मैं स्वभाव से परमात्मा ही हूं। यह अनुभूति राग और द्वेष को काम करती है। हमारे परमात्माओं ने पर को छोड़ा और स्व का आश्रय लिया। स्वयं जैसे हैं वैसे अनुभूति किए। राग और द्वेष को छोड़कर आत्मा के शुद्ध स्वभाव को ध्यान में रखकर आत्म साधना में लीन रहे। यही मार्ग परमात्मा बनने का है।

उपाध्याय भगवंत ने कहा कि हमें हमारी धारणाओं और मान्यताओं की दीवार को भेद कर भीतर प्रवेश करना है। हमने बहुत सी धारणाएं और मान्यताएं बना ली है। इन्हीं में उलझ कर रहते हैं। हम हमारी वास्तविक पहचान नहीं जानते। हम अपनी आत्म शक्ति को नहीं पहचानते। आत्मा के स्वभाव को नहीं जानते। सिर्फ भौतिक पहचान को ही अपना मान बैठे हैं। अपना नाम, रुतबा,धन संपदा आदि भौतिक सुखों को के मोह में फंसकर असली पहचान को भूल गए हैं। भौतिक पहचान अस्थाई है। यह शरीर भी अस्थाई है। यह एक दिन छूट जाएगा। आत्मा जैसी थी वैसी ही रहेगी।

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के तहत शिविर का आयोजन

महासमुन्द। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के प्रचार-प्रसार एवं लाभान्वयन हेतु 06 अगस्त को विद्युत वितरण विभाग द्वारा बीटीआई रोड स्थित विद्युत कंपनी परिसर में शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड (सीएसपीडीसीएल) के महासमुन्द ग्रामीण वितरण केन्द्र परिसर में संपन्न हुआ। शिविर में अधीक्षण अभियंता (वृत्त वाय. के. मनहर एवं कार्यपालन अभियंता (सं/स) पी. आर. वर्मा द्वारा उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत अपने मकानों की छतों पर रूफ्टॉप सोलर पैनल अनिवार्य रूप से लगाने हेतु प्रेरित किया गया।

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131
अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प 2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

डायरी, टहलना और किताबें पढ़ना, कुछ ऐसे गुजरती है अभिनेत्री रश्मिका मंदाना की छुट्टी

लोकप्रिय अभिनेत्री और 'नेशनल क्रश' का खिताब हासिल करने वाली रश्मिका मंदाना ने अपनी निजी जिंदगी और काम के बीच के संतुलन पर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि जब शूटिंग नहीं होती, तब वह अपना दिन बहुत आराम और सुकून से बिताती हैं। आईएएनएस से बात करते हुए रश्मिका ने कहा, 'जब उनकी शूटिंग नहीं होती, तो मैं अपना दिन आराम से बिताना पसंद करती हूं।

मेरा दिन डायरी लिखने से शुरू होता है। मैं अब भी रोज अपनी डायरी में कुछ न कुछ लिखती हूं, जिससे मुझे अच्छा महसूस होता है और अपने जीवन के लिए शुक्रगुजार रहने में मदद मिलती है। फिर मैं अपने पालतू डॉग के साथ समय बिताती हूं। कभी-कभी टहलने भी चली जाती हूं, या फिर कोई किताब पढ़ती हूं। इसके अलावा, ऐसे शो भी देख लेती हूं जो मैंने शूटिंग की वजह से मिस किए थे।''

रश्मिका ने कहा कि शूटिंग न होने वाले दिन भी वह पूरी तरह फ्री नहीं होतीं। कभी-कभी उन्हें ब्रांड कॉल पर होना पड़ता है। इसके अलावा, वह 'डियर डायरी' पर भी काम करती हैं। उन्होंने कहा कि 'डियर डायरी' की फाउंडर होने के तौर पर उन्हें एक्टिव रहने की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा, 'काम के बीच में भी मैं कोशिश करती हूं कि कुछ शांत और सुकून भरे पल निकाल सकूं। चाहे दिन कितना भी बिजी क्यों न हो, मैं फिर भी अपने लिए, अपने परिवार के लिए, प्रकृति के लिए, या बस अकेले में शांति से बैठने के लिए समय निकाल लेती हूं, क्योंकि ऐसे पल मुझे अंदर से फिर से तरोताजा कर देते हैं।''

वर्कफ्रंट की बात करें तो रश्मिका हाल ही में क्राइम थ्रिलर फिल्म 'कुबेरा' में नजर आई थीं, जिसे शेखर कम्मुला ने डायरेक्ट किया है। इसमें नागार्जुन अक्किनेनी, धनुष, जिम सर्भ और दिलीप ताहिल मुख्य भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म एक भिखारी की कहानी है, जिसकी जिंदगी में कुछ ऐसा होता है जिससे वह पूरी तरह बदल जाता है। फिल्म की कहानी लालच, महत्वाकांक्षा और नैतिक संघर्ष जैसे विषयों पर बात करती है। वहीं उनकी अगली तेलुगू फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' रिलीज के लिए तैयार है। इस फिल्म को राहुल रविंद्रन ने डायरेक्ट किया है। एक्ट्रेस के पास एक और फिल्म भी है, जिसका नाम 'थामा' है। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्देशन आदित्य सारपोतदार करेंगे, जो अपनी फिल्म 'मुनिया' के लिए जाने जाते हैं।

ऑफ शॉल्डर गाउन पहन अभिरा ने खूब दिखाई बोल्डनेस, टीवी की बहू का ग्लैमरस अवतार देख फटी रह जाएंगी आंखें

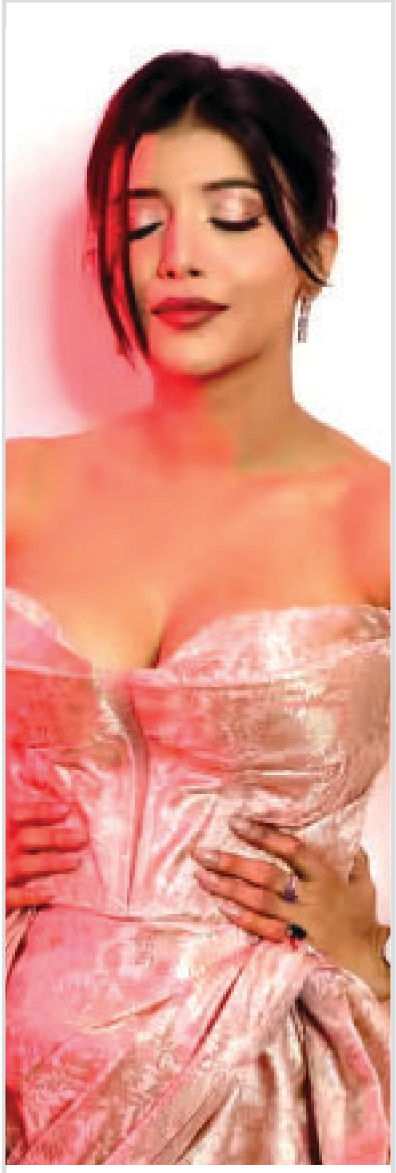

राजन शाही का शो ये रिश्ता क्या कहलाता है पिछले कई सालों से दर्शकों का फेवरेट बना हुआ है। हाल ही में शो की पूरी स्टारकास्ट टेली इंडिया अवार्ड्स में पहुंचीं और इस दौरान अभिरा यानी समृद्धि शुक्ला ने अपने ग्लैमरस अवतार से फैंस के होश उड़ा दिए।

इन तस्वीरों में एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला पिंक कलर का ऑफ शॉल्डर गाउन पहनें दिख रही हैं। फोटो में वह अपना क्लीवेज जमकर फ्लॉन्ट कर रही हैं और अपनी कमर पर हाथ रखकर शानदार अंदाज में पोज दे रही हैं।

इस फोटो में अभिरा यानी समृद्धि शुक्ला स्टाइल मारते हुए पोज दे रही हैं। फोटो में वह इस स्लिट गाउन में अपने टोन्ड लेग्स भी जमकर फ्लॉन्ट कर रही हैं। एक्ट्रेस की यह तस्वीरें आते ही छा गई हैं। इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला ने कैप्शन में लिखा, क्वीन एनर्जी ऑन्ली, मुझे सपने की तरह बनाने के लिए, आपका शुक्रिया। समृद्धि के इस पोस्ट पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं।

एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला की इन तस्वीरों पर लोग खूब कमेंट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, आप बहुत ही खूबसूरत हैं। तो वहीं एक दूसरे यूजर ने लिखा, खूबसूरत सैम। एक्ट्रेस समृद्धि शुक्ला के इंस्टाग्राम पर लाखों की संख्या में फॉलोवर्स हैं। उन्हें इंस्टाग्राम पर 617k लोग फॉलो करते हैं और यही कारण है कि उनकी हर एक तस्वीर आते ही छा जाती हैं।

टीवी शो ये रिश्ता क्या कहलाता है के अपकमिंग एपिसोड में देखने को मिलेगा कि अंशुमन का अरमान का सच पता चल जाएगा और इसके बाद वह मंदिर में जाकर अभिरा को मायरा का सच बता देगा और कहेगा कि मायरा ही असल में पूकी है, जिसे अरमान ने उससे दूर रखा। वहीं शो में आगे देखने को मिलेगा कि अपनी बेटी पूकी का सच जानकर अभिरा बुरी तरह से टूट जाएगी और सीधे मायरा को लेने के लिए माउंट आबू पहुंच जाएगी, जहां खूब ड्रामा होगा।

अनुपमा परमेश्वरन ने जानकी के लिए जताया आभार, बोलीं- इतना प्यार और अपनापन मिलने की उम्मीद नहीं थी

मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की फेमस अभिनेत्री अनुपमा परमेश्वरन की फिल्म जानकी वी बनाम स्टेट ऑफ केरल हाल ही में रिलीज हुई थी। दर्शकों ने फिल्म में उनकी एक्टिंग की खूब प्रशंसा की, इस पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए अभिनेत्री ने फैंस के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें इतना प्यार और अपनापन मिलने की उम्मीद नहीं थी।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के कुछ सीन की तस्वीरें पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा, जानकी फिल्म रिलीज हुई और मैं बस आप सबका धन्यवाद कहना चाहती हूं। कुछ समय बाद मलयालम सिनेमा में लौटने पर, मुझे इतना प्यार और अपनापन मिलेगा, ये उम्मीद नहीं थी। आप सबका मेरे किरदार के लिए जो प्यार है, उसने मेरे दिल को छू लिया।

अभिनेत्री ने बताया कि वह दर्शकों द्वारा लिखे गए सभी प्यार भरे मैसेज, रिव्यू और बातें पढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि जानकी के बारे में हर एक शब्द पढ़ना, जिससे पता चलता है कि दर्शकों को कैसा महसूस हुआ, उनके लिए बहुत खास है। उन्होंने कहा, धन्यवाद कि आपने जानकी को समझा और उसके जरिए मुझे भी देखा। साथ ही अभिनेत्री ने अपने निर्देशक प्रवीन नारायणन का भी धन्यवाद किया, जिन्होंने उन पर जानकी का किरदार निभाने का भरोसा किया और उन्हें पूरी तरह से उस किरदार में जीने का मौका दिया। अभिनेत्री ने कहा, यह सफर मेरे लिए, बहुत खास रहा है और इसे मैं हमेशा अपने साथ रखूंगी।

उन्होंने आगे कहा, आने वाले समय में भी कई ऐसी कहानियां, किरदार और जुड़ाव हों। मैं प्यार के साथ आभार महसूस करती हूं। बता दें, फिल्म जानकी वी बनाम स्टेट ऑफ केरल 17 जुलाई 2025 को रिलीज हुई थी। यह एक अपराध और कोर्टरूम ड्रामा है, जिसे प्रवीण नारायण ने डायरेक्ट किया है। वहीं इसका प्रोडक्शन फणिंद्र कुमार ने किया है और सेथुरामन नायर कंकॉल को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म की सिनेमैटोग्राफी रेनादिव ने की है और एडिटिंग समजित मोहम्मद ने। अनुपमा परमेश्वरन के अलावा इस फिल्म में सुरेश गोपी, दिव्या पिल्लई, श्रुती रामचंद्रन, अस्कार अली, माधव सुरेश गोपी और बैजू सन्दोष जैसे स्टार्स अहम भूमिका में हैं।

दृश्यम 3 पर आया खास अपडेट, तब्बू और अक्षय खन्ना फिर खाकी वर्दी में दिखाएंगे दम

अजय देवगन को पिछली बार फिल्म रेड 2 में देखा गया था, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट रही थी। आने वाले दिनों में वह एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे। उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक दृश्यम 3 भी है। अजय तो पहले ही फिल्म के तीसरे भाग पर अपनी मोहर लगा चुके हैं और पिछले कुछ समय से वह इसी फिल्म की तैयारी में लगे हुए हैं। अब इससे जुड़ीं कुछ नई जानकारियां बाहर आई हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, दृश्यम और दृश्यम 2 की जबरदस्त सफलता के बाद अब एक बार फिर खाकी वर्दी में अपना दमखम दिखाएंगे। निर्माता-निर्देशक अभिषेक पाठक ने हाल ही में अक्षय खन्ना और तब्बू से मुलाकात की और उनके साथ दृश्यम 3 पर चर्चा की। दोनों कलाकार फिल्म की पटकथा की से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने इसके लिए हामी भरने में देर नहीं लगाई। जल्द ही अक्षय और तब्बू ये फिल्म भी साइन कर लेंगे।

सूत्र ने बताया कि काफी हद तक संभव है कि दृश्यम 3 इस फ्रेंचाइजी की आखिरी फिल्म होगी। इसकी रिलीज के साथ ही इस क्राइम थ्रिलर फिल्म सीरीज का सफर खत्म हो जाएगा। यह अजय, तब्बू और अक्षय इन तीनों कलाकारों के किरदारों के इर्द-गिर्द घूमेगी। फिल्म की कहानी वहीं से शुरू होगी, जहां दूसरा भाग खत्म हुआ था। ऐसे में पूरी उम्मीद है कि अभिनेत्री श्रिया सरन भी दृश्यम की दुनिया में वापसी करेंगी।

साल 2022 में अजय दृश्यम 2 लेकर आए थे, जो उनके करियर की सबसे कमाऊ फिल्मों में से एक बनी। 50 करोड़ रुपये इस फिल्म का बजट था और इसने 300 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया था। इससे पहले साल 2015 में आई उनकी फिल्म दृश्यम ने भी बढ़िया कमाई की थी। दृश्यम का निर्देशन जहां निशिकांत कामत ने किया था, वहीं दूसरे भाग के निर्देशन की जिम्मेदारी अभिषेक पाठक पर थी, जो तीसरे भाग के निर्देशक भी हैं।

अक्षय को पिछली बार फिल्म छावा में देखा गया था, जिसमें उन्होंने औरंगजेब का किरदार निभाया था। फिल्म में अक्षय के अभिनय को दर्शकों ने खूब सराहना मिली। अब वह फिल्म धुरंधर में नजर आएंगे, जिसमें रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में हैं। दूसरी ओर तब्बू पिछली बार हाउसफुल 5 में कैमियो करती दिखी थीं। अब उन्हें अक्षय कुमार और परेश रावल के साथ हॉरर कॉमेडी फिल्म भूत बंगला में देखा जाएगा।

बेहतरीन आवाज की मालकिन तो डांसिंग में शानदार, बेहद ग्लैमरस है आकृति कक्कड़

जब बात दिल को छू लेने वाली आवाज और मंच पर थिरकते कदमों की हो, तो बॉलीवुड में एक नाम जो तुरंत जेहन में आता है, वो आकृति कक्कड़ का है। 7 अगस्त को जन्मीं सिंगर ने सुरीली आवाज और बिंदास अंदाज से लाखों दिलों में जगह बनाई है।

आकृति कक्कड़ ने अपने करियर की शुरुआत छोटे-छोटे कदमों से की, लेकिन उनकी प्रतिभा ने उन्हें बॉलीवुड के बड़े प्लेटफॉर्म तक पहुंचा दिया। दिल्ली में जन्मीं और पली-बढ़ी आकृति ने संगीत की दुनिया में कदम रखते ही सबका ध्यान खींच लिया। उनके हम्प्टी शर्मा की दुल्हनिया में गाए गाने सैटरडे सैटरडे और 2 स्टेट्स के इसकी उसकी ने न सिर्फ चार्टबस्टर्स पर राज किया, बल्कि युवाओं की प्लेलिस्ट में भी जगह बनाई। इन गानों में उनकी एनर्जी और मस्ती ने हर किसी को झूमने पर मजबूर कर दिया।

इसके अलावा, खुदाया खैर और आज दिन चढ़ेया जैसे गाने उनकी गायकी की गहराई को दिखाते हैं। आकृति ने न सिर्फ बॉलीवुड में अपनी छाप छोड़ी, बल्कि अप्रैल 2010 में अपने सोलो एल्बम आकृति को रिलीज कर एक नया मुकाम हासिल किया।

इस एल्बम में शंकर महादेवन के साथ मिलकर उन्होंने गीतों को कंपोज भी किया, जो उनकी कला को और भी शानदार अंदाज में पेश करता है। उनके गाए माशा अल्लाह गाने को भी काफी पसंद किया गया। हालांकि, उनका गाना रिंग डायमंड दी विवादों में भी रहा, जब इसे गर्ल्स जेनरेशन के कुछ गानों से प्रेरित होने का आरोप लगा। आकृति न सिर्फ अपनी आवाज, बल्कि अपने डांस और ग्लैमरस अंदाज के लिए भी जानी जाती

फूलों से रंगोली बनाने से पहले इन 5 बातों का रखें ध्यान, बनेगी सुंदर

त्योहारों के दौरान लोग अपने घर के आंगन, बरामदे और बाहर की तरफ रंगोली बनाना पसंद करते हैं। हालांकि, अगर आप फूलों से रंगोली बनाना चाहते हैं तो इसके लिए आपको कुछ बातों का ध्यान रखना होगा। फूलों से रंगोली बनाते समय थोड़ी सावधानी बरतना जरूरी है ताकि रंगोली सुंदर दिखे। आइए आज हम आपको फूलों से रंगोली बनाने से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण बातें बताते हैं, जिनका ध्यान रखना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

अलग-अलग रंग के फूलों का करें चयन

फूलों से रंगोली बनाने से पहले अलग-अलग रंग के फूलों का चुनाव करना जरूरी है। इसके लिए आप अपने पसंदीदा फूलों को ध्यान में रखते हुए उनकी व्यवस्था करें। उदाहरण के लिए अगर आप गुलाब के फूलों का उपयोग करना चाहते हैं तो लाल, पीला और सफेद गुलाब के फूलों का इस्तेमाल करें। इसके अलावा अगर आप गेंदे के फूलों से रंगोली बनाना चाहते हैं तो पीले और नारंगी रंग के फूलों से रंगोली बनाएं।

आकार का ध्यान रखें

फूलों से रंगोली बनाते समय उसके आकार का ध्यान रखना चाहिए। आप चाहें तो फूलों की मदद से दिल, सूरज, चंद्रमा, पेड़-पौधे, पक्षी और अन्य कई आकृतियां बना सकते हैं। इसके लिए पहले जमीन पर हल्का पेंसिल से स्केच बना लें, फिर उसके ऊपर फूलों को अच्छे से रखें। इससे आपकी रंगोली एकदम साफ-सुथरी और सुंदर दिखेगी। इसके अलावा फूलों से रंगोली बनाते समय फूलों की पंखुड़ियों को इस तरह से रखें कि वे साफ-सुथरी दिखें।

फूलों की व्यवस्था सही से करें

फूलों से रंगोली बनाते समय फूलों की व्यवस्था इस तरह से करें कि वे एक दूसरे से जुड़े हुए और साफ-सुथरे दिखें। इसके लिए आप फूलों को धीरे-धीरे और सावधानीपूर्वक रखें ताकि वे टूटे न। इसके अलावा फूलों को इस तरह से रखें कि उनकी पंखुड़ियां एक दूसरे से जुड़ी रहें और रंगोली का पूरा डिजाइन साफ-सुथरा दिखे। इससे आपकी रंगोली एकदम बेहतरीन और आकर्षक दिखेगी।

फूलों को ताजगी देने के लिए पानी का करें इस्तेमाल

फूलों की रंगोली में ताजगी बनाए रखने के लिए पानी का इस्तेमाल करें। इसके लिए आप एक स्प्रे बोतल में पानी भरकर हल्के हाथों से स्प्रे करें या फिर एक कपड़े को पानी से भिगोकर उससे फूलों को पोंछें। इससे फूल न तो मुरझाएंगे और न ही टूटेंगे। इसके अलावा आप चाहें तो फूलों की रंगोली के ऊपर हल्का-सा गुलाब जल छिड़क सकते हैं। इससे फूलों की रंगोली ताजगी बनी रहेगी।

सफाई का रखें ध्यान

फूलों से रंगोली बनाने के बाद सफाई का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। अगर आपने पहले से ही सफाई की हुई जगह पर रंगोली बनाई है तो उसे हटाने में ज्यादा परेशानी नहीं होगी। इसके अलावा अगर आपकी रंगोली के आस-पास कोई गंदगी हो तो उसे साफ करें ताकि आपकी रंगोली साफ-सुथरी दिखे। इन बातों का ध्यान रखकर आप आसानी से अपने घर में खूबसूरत फूलों से रंगोली बना सकते हैं।

क्या रोजाना क्रीम बिस्किट खाना सेहत के लिए सही है? जानिए इसके नुकसान

बच्चों से लेकर बड़ों तक हर कोई क्रीम वाले बिस्किट खाना पसंद करता है क्योंकि यह खाने में काफी स्वादिष्ट होते हैं। हालांकि, क्या आप जानते हैं कि रोजाना क्रीम बिस्किट खाना सेहत के लिए सही नहीं है। इसका कारण है कि इनमें चीनी की मात्रा अधिक होती है, जो स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकती है। आइए जानते हैं कि क्रीम बिस्किट के सेवन से क्या-क्या नुकसान हो सकते हैं।

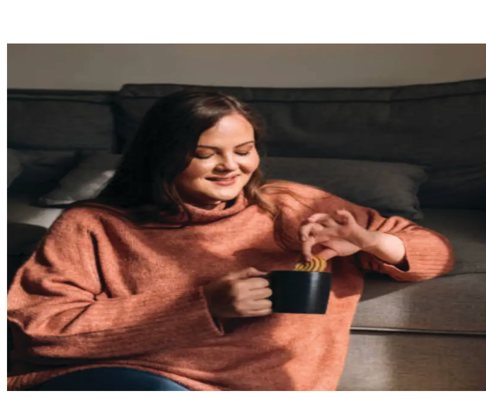

वजन बढ़ने की है आशंका

क्रीम बिस्किट का सेवन वजन बढ़ने का कारण बन सकता है। इसका मुख्य कारण है कि क्रीम बिस्किट में चीनी की अधिक मात्रा होती है। जब आप नियमित रूप से इनका सेवन करते हैं तो आपके शरीर में अतिरिक्त कैलोरी जमा होने लगती हैं, जिससे वजन बढ़ सकता है। वजन बढ़ने से कई स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं, जैसे कि उच्च रक्तचाप, मधुमेह, दिल की बीमारियां आदि। इसलिए सीमित मात्रा में ही क्रीम बिस्किट का सेवन करें।

क्रीम बिस्किट का सेवन दांतों के स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डाल सकता है। इन बिस्किट में मौजूद चीनी बैक्टीरिया के लिए भोजन का काम करती है, जिससे दांतों में कीड़े लग सकते हैं। इसके अलावा चीनी दांतों की सेंसिटिविटी बढ़ा सकती है, जिससे दर्द और असुविधा हो सकती है। इसलिए बिस्किट खाने के बाद अपने दांतों को अच्छी तरह से साफ करना जरूरी है ताकि बैक्टीरिया न पनप सकें।

पेट की समस्याएं हो सकती हैं

रोजाना क्रीम बिस्किट खाने से पेट की समस्याएं भी हो सकती हैं। इनमें मौजूद अधिक चीनी और चर्बी की मात्रा पाचन तंत्र पर असर डाल सकती है, जिससे गैस, अपच या कब्ज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा इनका सेवन पेट में भारीपन और असुविधा भी पैदा कर सकता है। इसलिए बेहतर होगा कि आप सीमित मात्रा में ही इनका सेवन करें और साथ ही पर्याप्त पानी पिएं ताकि पेट की सेहत ठीक रहे।

त्वचा पर हो सकता है बुरा असर

रोजाना क्रीम बिस्किट खाने से त्वचा पर भी बुरा असर पड़ सकता है। इनमें मौजूद अधिक चीनी रक्त के स्तर को बढ़ा सकती है, जिससे मुंहासे या त्वचा की सूजन जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा चीनी त्वचा की उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को भी तेज कर सकती है। इसलिए अपनी डाइट में क्रीम बिस्किट को सीमित मात्रा में शामिल करें ताकि आपकी त्वचा स्वस्थ रहे और समय से पहले झुर्रियां न आएं।

नींद पर पड़ सकता है असर

रात को सोने से पहले क्रीम बिस्किट खाना आपकी नींद पर भी असर डाल सकता है। इनमें मौजूद अधिक चीनी और चर्बी की मात्रा नींद को बाधित कर सकती है, जिससे आपको अच्छी नींद नहीं मिलती। इसके अलावा रात के समय इनका सेवन करने से पेट भारी महसूस कर सकता है, जिससे आरामदायक नींद लेने में दिक्कत होती है। इसलिए सोने से पहले इनका सेवन करने से बचें।

वनमंत्री कश्यप ने वन्यप्राणी के संरक्षण और संवर्धन के लिए विशेष बल देने निर्देशित किया

ईको टूरिज्म में महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ें : केदार कश्यप

वन विभाग के कार्ययोजनाओं की विस्तृत समीक्षा की, बारनवापारा अभ्यारण्य क्षेत्र को बढ़ाने के दिए निर्देश, ई-ऑक्शन की सराहना की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने नवा रायपुर अटल नगर स्थित अरण्य भवन में विभागीय काम-काज की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में अधिकारियों ने बताया कि मोदी की गारंटी के तहत वनोपज खरीदी दर और बोनस की राशि का भुगतान के साथ ही देवगुड़ियों के संरक्षण, लेमरू हाथी रिजर्व से जुड़े मुद्दे, प्रोजेक्ट बघवा, किसान वृक्ष मित्र योजना और मानव पशु द्वंद से हुई जनहानि एवं कृषि उपज प्रभावित होने वाले किसानों को फसल क्षति कवर प्रदान करने प्राप्त आवेदनों का निराकरण कर लिया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदनों का लगभग शत-प्रतिशत निराकरण कर दिया गया है। बैठक में अधिकारियों ने बताया कि ई-ऑक्शन के माध्यम से वनोपज एवं काष्ठों की नीलामी की जा रही है। अपर मुख्य सचिव वन श्रीमती ऋचा शर्मा ने ई-ऑक्शन को राज्य में मिल रहे बेहतर प्रतिसाद की सराहना करते हुए अधिकरियों को बधाई दी।

बैठक में मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव ने बताया कि वर्षा ऋतु-2025 में 'एक पेड़ मां के नाम 2.0' के तहत वन विभाग और वन विकास निगम द्वारा 2 करोड़ 17 लाख पौधे रोपित किए गए हैं। वन विकास निगम द्वारा 4 माइक्रो फारेस्ट (मियावाकी) स्थलों पर 26 हजार पौधों का रोपण किया गया है। अधिकारियों ने मंत्री कश्यप को बताया कि 10.34 हेक्टेयर भूमि में 5 माइक्रो फारेस्ट (मियावाकी वन) की स्थापना प्रस्तावित है।

मंत्री कश्यप ने वन विकास निगम के माध्यम से बारनवापारा अभ्यारण्य क्षेत्र को बढ़ाने के निर्देश अधिकरियों को दिए। उन्होंने माइक्रो फारेस्ट (मियावाकी) की स्थापना अर्बन क्षेत्रों में करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने वृक्षारोपण की प्रगति के संबंध में कहा कि वन विकास निगम के वर्किंग प्लान में वरिष्ठ अधिकारियों को रखे जाने से बेहतर परिणाम मिलेगा, जिससे मॉनिटरिंग अच्छे से होगी। उन्होंने कहा कि माइनिंग सहित सभी विभागों और शहरी क्षेत्रों में प्रमुखता से वृक्षारोपण किया जाए तथा टेक्निकल सपोर्ट के लिए नोडल अधिकारी बनाया जाए। वर्ष 2024-25 में 25 ईको टूरिज्म केन्द्रों से 2 करोड़ 62 लाख रूपए से अधिक की आय हुई है। मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि ईको टूरिज्म से प्राप्त होने वाली आय का उपयोग महिलाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार उपलब्ध करना सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि सभी ईको टूरिज्म केन्द्रों में बेहतर सुविधाओं का विस्तार करें। अधिकारियों ने बताया कि 7 नवीन ईको टूरिज्म केन्द्रों की स्थापना प्रस्तावित है, जिसका इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा रहा है। बैठक में अधिकारियों ने मंत्री कश्यप को कैंपा मद से संचालित कार्यों की अद्यतन स्थिति और वन अधिकार पत्रधारी के नामांतरण और बटवारे की जानकारी से भी अवगत कराया।

मंत्री कश्यप ने वन्यप्राणी संरक्षण, बाघ संरक्षण, अचानकमार्ग टायगर रिजर्व के ग्रामों के विस्थापन के प्रगति की समीक्षा की। लेमरू हाथी रिजर्व का विकास, तमोर पिंगला, सेमरसोत और बादखोल अभ्यारण्य में वन्यप्राणी संरक्षण और वन्य प्राणी से होने वाले जनहानि, फसल क्षति की भी विस्तृत समीक्षा की। राज्य वन एवं अनुसंधान संस्थान द्वारा एक वर्ष में कराए गए अनुसंधान कार्यों और उनकी गुणवत्ता की समीक्षा की। खदान प्रभावित क्षेत्रों में वन्यप्राणी संरक्षण की योजना और वृक्षारोपण कार्य की जानकारी ली और आगामी वर्ष के लिए की जाने वाली कार्ययोजना बनाने निर्देशित किया। उन्होंने वर्ष 2025-26 में तेन्दूपत्ता संग्रहण, चरणपादुका क्रय और वितरण, प्रधानमंत्री जनमन योजना, प्रधानमंत्री जनजातीय विकास मिशन वनधन विकास केन्द्र, राजमोहिनी देवी तेन्दूपत्ता संग्राहक सामाजिक सुरक्षा योजना, छात्र वृत्ति योजना की बिन्दुवार विस्तृत समीक्षा की। वन मंत्री कश्यप ने राजस्व में वृद्धि लाने के लिए सीमावर्ती राज्यों जैसे - महाराष्ट्र, ओडिशा, मध्यप्रदेश राज्यों की प्रक्रिया का अध्ययन व आंकलन कर कार्ययोजना बनाने हेतु अधिकारियों को निर्देश दिए।

मंत्री श्री कश्यप ने कहा कि माइक्रो फारेस्ट के विस्तार के लिए ज्यादा से ज्यादा जनप्रतिनिधियों का सहयोग लें। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से वनवासियों द्वारा कार्यालय में प्राप्त आवेदन का तत्परता से निराकरण करें। इसी प्रकार विभागीय रिक्त पदों पर भर्ती जैसे सभी कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने बताया कि वन प्रबंधन समिति के खाते में मार्च 2025 की स्थिति में 133 करोड़ 27 लाख रूपए से अधिक की लाभांश राशि उपलब्ध है। चक्रीय निधि में उपलब्ध राशि 116 करोड़ 65 लाख रूपए से अधिक की राशि है, जिसका उपयोग चक्रीय निधि से कराए जाने वाले कार्य जैसे - मछलीपालन, कोसा पालन, मधुमक्खी पालन, बतख पालन, मशरूम उत्पादन, महुआ लड्डू, लेमन ग्रास, दोना-पत्तल निर्माण, इमली प्रसंस्करण, डेयरी विकास, किराना दुकान, केन्टीन संचालन, ईको टूरिज्म संचालन हेतु वाहन क्रय आदि कार्यों के लिए 4 प्रतिशत वाार्षिक ब्याज पर ऋण प्रदान किया जाता है। इसके लिए प्रदेश में मुहिम चलाकर ज्यादा से ज्यादा लोगों को स्व-रोजगार से जोड़ने के निर्देश दिए। मंत्री कश्यप ने राजस्व प्राप्ति को बढ़ाने के लिए अन्य राज्यों का अध्ययन कर योजना बनाने के निर्देश दिए। निस्तारी वनोपज एवं पंजीकृत बंसोड़ों को बांस प्रदाय करना सुनिश्चित करें, ताकि उन्हें जीविकोपार्जन का साधन मिल सके। उन्होंने संबंधितों को निर्देश दिए कि वनों की अवैध कटाई, परिवहन पर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। श्री कश्यप ने कहा कि वन विभाग के खाताधारी हितग्राहियों को सीधे उनके खाते में ई-कुबेर के माध्यम से भुगतान करना सुनिश्चित करें।

अधिकारियों ने बताया कि हितग्राहियों को वर्ष 2024-25 में ई-कुबेर के माध्यम से 1400 करोड़ रूपए का भुगतान सीधे उनके बैंक खाते में किया गया है और वर्ष 2025-26 में 300 करोड़ रूपए का भुगतान हितग्राहियों को ई-कुबेर के माध्यम से किया गया है। मंत्री कश्यप ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि एनटीपीएस के माध्यम से टीपी जारी करना सुनिश्चित करें। बिना टीपी के कोई भी वाहन वनोपज का परिवहन करते पाये जाने पर कठोर कार्रवाई करना सुनिश्चित करें। बैठक में वन क्षेत्रों में औषधीय पौधों के रोपण, नियद नेल्लानार योजना अंतर्गत जनजातीय समूह के सामाजिक आर्थिक कल्याण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से औषधीय पौध रोपण एवं आजीविका के अवसर को बढ़ाने, परंपरागत वैद्यों के प्रशिक्षण और विकास, जैव विविधता बोर्ड के महत्वपूर्ण योजनाओं और कार्यों के साथ छत्तीसगढ़ राज्य वेटलैंड प्राधिकरण की महत्वपूर्ण योजना एवं कार्यों के अलावा किसान वृक्ष मित्र योजना की समीक्षा की। इस अवसर पर अपर मुख्य सचिव वन ऋचा शर्मा, प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख व्ही. श्रीनिवास राव, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्य प्राणी) सुधीर अग्रवाल, एमडी छत्तीसगढ़ वन विकास निगम एम.टी नंदी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मलेरिया एवं एनीमिया उन्मूलन अभियानों के सफल क्रियान्वयन के लिए सामुदायिक सहभागिता भी जरूरी: स्वास्थ्य मंत्री

केन्द्र और राज्य के स्वास्थ्य कार्यक्रमों को मिशन मोड में लागू कर स्वास्थ्य संबंधित गुणवत्ता सेवा में जिलों को अग्रणी बनाएं

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बुधवार को दंतेवाड़ा जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की संभाग स्तरीय समीक्षा बैठक ली। बैठक की शुरुआत में उन्होंने मलेरिया मुक्त अभियान पर विशेष जोर देते हुए कहा कि बस्तर संभाग में मलेरिया नियंत्रण के प्रयासों को और अधिक सघन एवं क्षेत्रीय डाटा आधारित बनाना जरूरी है।

मंत्री ने सभी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों और सिविल सर्जनों को निर्देश दिया कि वे अपनी पूरी क्षमता के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि मलेरिया उन्मूलन के लिए छोटी-छोटी बातों पर भी गंभीरता से ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि यही सतर्कताएं मिलकर बड़े परिणाम देती हैं। मंत्री जायसवाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि डीडीटी का छिड़काव स्कूलों, आंगनवाड़ियों, आश्रम शालाओं एवं पोटाकेबिनों में मिशन मोड में किया जाए, ताकि मलेरिया की रोकथाम प्रभावी ढंग से हो सके। साथ ही, सभी स्वास्थ्य अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे मच्छरदानी के उपयोग को लेकर अधिक से अधिक जन जागरूकता फैलाएं।

बैठक के दौरान मंत्री ने पारंपरिक उपायों की चर्चा करते हुए कहा कि गांवों में नीम की पत्तियों और गोबर के कंडे जलाकर मच्छरों को भगाने की परंपरा रही है, जिसे भी अपनाया जा सकता है। उन्होंने इन उपायों को भी समुदाय में पुनर्जीवित करने की बात कही। स्वास्थ्य मंत्री ने चिरायु कार्यक्रम के संदर्भ में कहा कि स्वास्थ्य विभाग के मैदानी चिकित्सा कर्मचारियों कार्यकर्ताओं की कार्यक्षमता का सही उपयोग सुनिश्चित करें। सभी स्वास्थ्य अभियानों में अन्य विभाग के समन्वय के साथ-साथ अधिकारियों जनप्रतिनिधियों आमजनों की भागीदारी भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए।

इसके साथ ही उन्होंने आगे कहा कि बस्तर जैसे अंचल में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदाय किया जाना एक सही मायने में स्वयं के लिए उपलब्धि है। चूंकि चिकित्सकीय पेशा को ईश्वरीय दर्जा दिया जाता है। अत: इसी सिद्धांत को सर्वोपरि रख कर हमारा प्रयास होना चाहिए कि हम उत्तम से उत्तम जनसेवा कर इसे सार्थक बनाये। फिर चाहे वह राज्य एवं केन्द्र सरकार की मलेरिया, एनीमिया, क्षय रोग, उन्मूलन योजना, मातृ शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रम, आरोग्य मेला जैसे अभियान हो हर अभियान को मिशन मोड में पूरा करें। ताकि स्वास्थ्य संबंधित गुणवत्ता सेवा में हमारा प्रदेश राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी हो।

बैठक में स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया एवं आयुक्त सह संचालक डॉ. प्रियंका शुक्ला द्वारा बस्तर संभाग के कांकेर, कोंडागांव, नारायणपुर, बस्तर, सुकमा, बीजापुर, दंतेवाड़ा जिलों में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों के प्रदर्शन पर समीक्षा करते हुए मंत्री जी को अवगत कराया गया।

ये जानकारी दी गई कि राज्य शासन द्वारा स्वास्थ्य संबंधी सभी कार्यक्रमों की क्रियान्वयन की लगातार मॉनिटरिंग की जाती है साथ ही इसके क्रियान्वयन में किसी भी प्रकार की समस्याओं दिक्कतों पर तुरंत कार्यवाही की जाती है। इस दौरान कहा गया कि शासन का उद्देश्य है कि मलेरिया को पूरी तरह समाप्त किया जाए। उन्होंने कहा कि यह तभी संभव है जब जिला, विकासखंड और ग्राम स्तर पर स्वास्थ्य अमला पूरी सक्रियता के साथ कार्य करे।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और खंड चिकित्सा अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे स्वयं फील्ड में जाकर मलेरिया अभियान की निगरानी करें। आरडी किट से जांच के दौरान यदि कोई व्यक्ति मलेरिया पॉजिटिव पाया जाता है, तो उसे दवा की पूरी खुराक दी जाए। साथ ही मितानिनों द्वारा दी गई दवाओं का रैफर जमा किया जाए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मरीज ने दवा पूरी कर ली है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि मलेरिया से किसी भी स्थिति में मृत्यु नहीं होनी चाहिए।

इस दौरान बैठक में अध्यक्ष सीजीएमएससी दीपक महस्के, विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, कलेक्टर कुणाल दादावत, संचालक महामारी नियंत्रण एसके पाम्भोई, जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा तथा स्वास्थ्य एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजनाः सौर ऊर्जा से संवरते सपने

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना पूरे देश की तरह बिलासपुर जिले के लोगों के लिए भी फायदेमंद साबित हो रही है। इससे न केवल पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा मिल रहा है, बल्कि महंगाई के इस दौर में भारी भरकम बिजली बिल से भी राहत मिल रही है। जिला बिलासपुर की अशोक नगर निवासी श्रीमती अंजली सिंह ने अपनी छत पर 3 किलोवाट का सोलर प्लांट स्थापित किया है। उन्होंने बताया कि इस सोलर प्लांट की कुल लागत 1 लाख 85 हजार रुपये आई। इसमें से केंद्र सरकार से 78 हजार रुपये की सब्सिडी भी मिली है।

श्रीमती सिंह ने बताया कि सोलर प्लांट लगाने से पहले उनके घर का मासिक बिजली बिल ढाई से 3 हजार तक आता था, लेकिन अब उनका बिजली आधा हो गया है। इससे उन्हें आर्थिक रूप से बड़ी राहत मिली है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी सोच से अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में महत्वपूर्ण योगदान मिल रहा है इस योजना में अब राज्य सरकार भी केंद्र सरकार के साथ मिलकर प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचा रही है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की कैबिनेट ने अक्षय ऊर्जा को प्रोत्साहन देने और बिजली उपभोक्ताओं को राहत पहुंचाने के लिए योजना में 30 हजार रुपये तक का अतिरिक्त अनुदान देने का निर्णय लिया है। श्रीमती सिंह ने बताया कि पहले बिजली चली जाने पर दिक्कतें होती थीं, बार बार शिकायत करनी पड़ती थी। अब इन सारी समस्याओं से छुटकारा मिल गया है।

आवेदन करने के दस दिनों के भीतर सेटअप भी लग गया था। उन्होंने योजना के लिए सरकार को धन्यवाद देते हुए कहा कि सोलर सिस्टम का रख रखाव बेहद सरल है और इसमें कोई अतिरिक्त खर्च नहीं आता है। हर व्यक्ति के लिए इसे उपयोगी बताते हुए इस योजना से जुड़ने कहा। उल्लेखनीय है कि इस योजना के तहत स्थापित सोलर रूफ्टॉप संयंत्र विद्युत ग्रिड से नेट मीटरिंग के माध्यम से जोड़ा जाता है। उपभोक्ता अपनी जरूरत से अधिक बिजली का उत्पादन कर ग्रिड को सप्लाई कर सकते हैं, जिससे उनका बिजली बिल शून्य होने के साथ-साथ अतिरिक्त आय भी प्राप्त होती है। इस योजना के अंतर्गत 1 किलोवाट का सोलर प्लांट स्थापित करने पर केंद्र सरकार से 30 हजार रुपए और राज्य सरकार से 15 हजार रुपए की कुल 45 हजार रुपए की सब्सिडी मिलेगी, 2 किलो वॉट पर केंद्र से 60 हजार और राज्य से 30 हजार, वहीं 3 किलोवाट का सोलर पैनल स्थापित करने पर केंद्र सरकार से 78 हजार रुपए एवं राज्य सरकार से 30 हजार रुपए कुल 1 लाख 8 हजार रुपए का अनुदान प्राप्त होगा।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने बोदली उप स्वास्थ्य केन्द्र का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने दंतेवाड़ा जिले के बोदली स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केन्द्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ओपीडी, प्रसव कक्ष, टीबी मरीजों की देखरेख तथा स्वास्थ्य रजिस्टरों के संधारण की स्थिति की बारीकी से समीक्षा की।

निरीक्षण के दौरान मितानिन बहनों ने पारंपरिक तरीके से मंत्री जायसवाल का स्वागत करते हुए उन्हें राखी बांधी। इस आत्मीय क्षण पर मंत्री ने मितानिनों को साड़ी भेंट कर सम्मानित किया और उन्हें ग्रामीण क्षेत्रों में उत्कृष्ट स्वास्थ्य सेवा प्रदाय के संबंध में प्रोत्साहित करते हुए यह आश्वासन दिया कि उनके मानदेय का भुगतान हर माह की 15 तारीख तक दिया जाना सुनिश्चित किया जाएगा। जायसवाल ने स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावशाली बनाने के उद्देश्य से एचआरपी श्रेणी की गर्भवती महिलाओं को समय पर उच्च स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर करने, अंडा वितरण व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने तथा मलेरिया मुक्त अभियान के तहत घर-घर जाकर जांच और उपचार की प्रक्रिया को सुदृढ़ करने के भी निर्देश दिए।

कार्यक्रम के दौरान एक भावुक क्षण तब आया जब ग्राम की एक बालिका कविता पुनेम ने अपनी आंखों की गंभीर समस्या के इलाज के लिए मंत्री से सहायता की गुहार लगाई। मंत्री जायसवाल ने मामले को तत्काल संज्ञान में लेते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को बच्ची को रायपुर रेफर करने के निर्देश दिए और हरसंभव मदद का आश्वासन दिया। निरीक्षण के उपरांत मंत्री द्वारा विभिन्न हितग्राहियों को योजनाओं के लाभ प्रदान किए गए। इस अवसर पर उन्होंने टीबी से पीड़ित मरीजों को पोषण आहार, गर्भवती महिलाओं को फ्लकिट, पात्र ग्रामीणों को प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत योजना एवं वय वंदन योजना के कार्ड वितरित किए। साथ ही निष्ठा से सेवा दे रहे निक्षय मित्रों को प्रशस्ति पत्र देकर उनका सम्मान भी किया।

मंत्री जायसवाल ने सभी स्वास्थ्यकर्मियों और अधिकारियों से क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सतत प्रयास करने का आह्वान किया और यह भरोसा दिलाया कि प्रदेश सरकार आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इस मौके पर सीजीएमएससी अध्यक्ष दीपक महस्के, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, उपाध्यक्ष अरविन्द कुंजाम, स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया, आयुक्त एवं संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ.प्रियंका शुक्ला, जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा सहित प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अवैध रासायनिक उर्वरक परिवहन पर कृषि विभाग की कार्यवाही

रायपुर। मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले में कलेक्टर के निर्देशानुसार किसानों को निर्धारित दर पर उर्वरक उपलब्ध कराने तथा अवैध उर्वरक परिवहन पर नियंत्रण हेतु सतत् निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में कृषि विभाग की टीम द्वारा ग्राम आमाटोला में एक तीन पहिया वाहन से अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे 28 बैग रासायनिक उर्वरक जब्त किए गए। जब्त उर्वरकों में 5 बैग यूरिया, 6 बैग सिंगल सुपर फॉस्फेट एवं 17 बैग डीएपी शामिल हैं। आमाटोला से सहायक प्रबंधक गंगाराम साहू द्वारा कृषक बीरधन एवं अन्य के नाम पर परमिट काटकर वाहन के माध्यम से भेजे गए थे।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बेंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

बीजापुर में 9 नक्सलियों ने किया सरेंडर 6 नक्सलियों पर था 24 लाख का इनाम

डीआरजी, जिला बल, एसटीएफ, कोबरा व केन्द्रीय रिजर्व बल की संयुक्त कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के विरुद्ध सुरक्षा बलों को एक और बड़ी सफलता प्राप्त हुई है। बीजापुर जिले में 24 लाख के इनामी समेत कुल 9 माओवादियों ने बुधवार को आत्मसमर्पण किया है, वहीं एक अन्य घटनाक्रम में एक माओवादी मुठभेड़ के दौरान न्यूट्रलाइज़ किया गया है।

नक्सल उन्मूलन हेतु जिला में चलाये जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत डीआरजी, जिला बल, एसटीएफ, कोबरा व केरिपु बल के द्वारा किये जा रहे संयुक्त प्रयासो व छग शासन की पुनर्वास एवं आत्मसर्पण नीति तथा नियद नेल्ला नार योजना से प्रभावित होकर इन नक्सलियों ने समर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वालों में माड़ डिविजन, दक्षिण बस्तर डिविजन और डीजीएन डिविजन के सदस्य शामिल हैं। जिनमें कंपनी नंबर 01, प्लाटून 12 एवं 13 के एसीएम, तकनीकी टीम व भूमकाल मिलिशिया कमांडर जैसे नक्सली हैं।

नक्सलियों ने डीआईजी कमलोचन कश्यप व पुलिस अधीक्षक डॉक्टर जितेंद्र कुमार यादव व अन्य सुरक्षाबलों के अधिकारियों के समक्ष आत्मसमर्पण किया है। आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों में बक्सू ओयाम पार्टी सदस्य, माड़ डिविजन कंपनी नं. 01 (इनाम 8 लाख), बुधराम पोटाम एसीएम प्लाटून नं. 12 (इनाम 5 लाख), हिड़मा ऊर्फ हिरिया एसीएम प्लाटून नं. 13 (इनाम 5 लाख), मंगू उईका ऊर्फ टोग्गी तकनीकी टीम सदस्य, दक्षिण बस्तर डिविजन इनाम (2 लाख), रोशन कारम ऊर्फ सोनू पार्टी सदस्य, चिन्नापल्ली एरिया कमेटी, डीजीइन डिविजन (इनाम 2 लाख), मंगलों पोड़ियाम पार्टी सदस्य, भैरमगढ़ एरिया कमेटी (इनाम 2 लाख), कमलू हेमला ऊर्फ कुम्मा डीएकेएमएस सदस्य, फुलादी आरपीसी, बुधराम हेमला डीएकेएमएस सदस्य, फुलादी आरपीसी व पण्डरू पूनेम ऊर्फ पदखूटा भूमकाल मिलिशिया कमांडर, मनकेली शामिल है। सभी आत्मसमर्पित नक्सलियों को प्रोत्साहन स्वरूप 50,000-50,000 के चेक प्रदान किए गए।

एक जनवरी 2025 से अब तक जिले में 277 नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया है। वहीं 310 नक्सली गिरफ्तार हुए हैं। जबकि मुठभेड़ में 131 नक्सली मारे गए हैं। पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेंद्र यादव ने नक्सलियों से अपील की कि वे भटकी राह छोड़कर शासन की पुनर्वास नीति का लाभ उठाएं और समाज की मुख्यधारा में लौटें।

बीजापुर में 9 नक्सलियों के सरेंडर पर बोले सीएम साय- 31 मार्च 2026 तक नक्सलवाद के अंत के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री साय ने स्पष्ट किया कि छत्तीसगढ़ सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की मंशा के अनुरूप 31 मार्च 2026 तक राज्य से नक्सलवाद को पूरी तरह समाप्त करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह बदलते बस्तर की तस्वीर है जहाँ बंदूकें झुक रही हैं और विकास की आवाज़ बुलंद हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा ३कि यह सफलता सुरक्षाबलों के अदम्य साहस और भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक केंद्रीय गृह मंत्री के पद पर सेवा देने वाले अमित शाह के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन का प्रतिफल है। मुख्यमंत्री साय ने आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों के पुनर्वास की प्रक्रिया को तेज़ी से लागू करने और उन्हें मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रशासनिक अधिकारियों को निर्देश भी दिए हैं। मुख्यमंत्री साय ने इस सफलता के लिए सुरक्षाबलों, खुफिया एजेंसियों और प्रशासनिक अमले को बधाई दी है और कहा है कि बस्तर अब अंधेरे से उजाले की ओर बढ़ चुका है। विकास ही अब उसकी पहचान बनेगा। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि केंद्रीय मंत्री अमित शाह का कार्यकाल भारत की आंतरिक सुरक्षा का वह युग है जिसने असंभव को संभव बना दिया है। अनुच्छेद 370 की ऐतिहासिक समाप्ति हो या नक्सलवाद एवं आतंकवाद पर कठोर प्रहार का निर्णय उन्होंने सदैव भारत को एक सुरक्षित, सशक्त और आत्मविश्वासी राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ाया है। छत्तीसगढ़ में दिसंबर 2023 से अब तक लगभग 450 माओवादी न्यूट्रलाइज़ किए जा चुके हैं, 1579 माओवादी गिरफ्तार हुए हैं, और लगभग 1589 माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। यह आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि नक्सलवाद अब अपने अंतिम चरण में पहुंच चुका है।

खास खबर

रासायनिक उर्वरक के अवैध परिवहन पर कार्यवाही, आमाटोला में 28 बैग उर्वरक जब्त

रायपुर। मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी जिले में कलेक्टर के निर्देशानुसार किसानों को निर्धारित दर पर उर्वरक उपलब्ध कराने तथा अवैध उर्वरक परिवहन पर नियंत्रण हेतु सतत् निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में कृषि विभाग की टीम द्वारा ग्राम आमाटोला में एक तीन पहिया वाहन से अवैध रूप से परिवहन किए जा रहे 28 बैग रासायनिक उर्वरक जब्त किए गए। जब्त उर्वरकों में 5 बैग यूरिया, 6 बैग सिंगल सुपर फॉस्फेट एवं 17 बैग डीएपी शामिल हैं।

ग्रामीणों से प्राप्त सूचना के आधार पर की गई जांच के दौरान पाया गया कि उक्त उर्वरक आदिम जाति सेवा सहकारी समिति, आमाटोला से सहायक प्रबंधक गंगाराम साहू द्वारा कृषक श्री बीरधन एवं अन्य के नाम पर परमिट काटकर वाहन के माध्यम से भेजे गए थे एवं उन्हें सहायक प्रबंधक के निवास पर पहुंचाना था। जांच एवं जब्ती की कार्यवाही तहसीलदार अम्बागढ़ चौकी, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक के अधिकारी, समिति सदस्य तथा स्थानीय कृषकों की मौजूदगी में हुई। कृषि विभाग द्वारा उर्वरक गुण नियंत्रण आदेश, 1985 के अंतर्गत विधिसम्मत कार्रवाई करते हुए प्रकरण को कलेक्टर न्यायालय, मोहला-मानपुर-अम्बागढ़ चौकी में प्रस्तुत किया गया है।

परलागट्टा जंगल से हत्या के आरोप में फरार चल रहा नक्सली गिरफ्तार

सुकमा। जिला सुकमा के थाना जगरगुण्डा क्षेत्र के परलागट्टा गांव के जंगल से बुधवार को एक सक्रिय माओवादी मिलिशिया सदस्य को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार नक्सली मई 2025 में उपसरपंच की हत्या की वारदात में नामजद था।

पुलिस मुखबिरी के शक में की गई इस हत्या में आरोपी की संलिप्तता पहले से दर्ज थी। गिरफ्तार किए गए आरोपी ने पूछताछ में घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। उसकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल किए गए लकड़ी के दो डंडे भी बरामद किए हैं। गिरफ्तार नक्सली के विरुद्ध थाना जगरगुण्डा में पहले से गंभीर आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। उसके खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धाराएं 190, 191, 140, 103, 351(3), आर्म्स एक्ट की धारा 25, तथा विधि विरुद्ध क्रियाकलाप निवारण अधिनियम 1967 की धाराएं 38, 39, 16 (क) के तहत अपराध क्रमांक 05/2025 में मामला दर्ज है। गिरफ्तारी की यह कार्रवाई थाना जगरगुण्डा पुलिस और 231वीं वाहिनी सीआरपीएफ कैम्प कमारगुड़ा की संयुक्त टीम द्वारा की गई। आरोपी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

चिकित्सा कोर्स में कोटा समाप्त करने वाली याचिका खारिज

बिलासपुर। मेडिकल से जुड़े विभिन्न चिकित्सा कोर्स, दंत चिकित्सा एवं शारीरिक उपचार (फिजियोथेरेपी) चिकित्सक प्रवेश नियम 2025 में एनआरआई कोटा समाप्त करने को दायर जनहित याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया है। कोर्ट ने जनहित के बजाय याचिका को व्यक्तिगत हित से जुड़ा होने के कारण खारिज करते हुए जमा अमानत राशि जब्त करने के निर्देश दिए।

रायपुर निवासी समाज सेवी ने छत्तीसगढ़ शासन द्वारा राजपत्र में अधिसूचित मेडिकल प्रवेश नियम 2025 के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। नियम में एनआरआई कोटा रखे जाने को असंवैधानिक घोषित करने की मांग की गई थी। याचिका में कहा गया था कि उनके परिवार व रिश्तेदार के बच्चे चिकित्सा, दंत चिकित्सा एवं फिजियोथेरेपी पाठ्यक्रम में प्रवेश लेने के लिए नीट परीक्षा दे रहे हैं। एनआरआई कोटा निर्धारित किए जाने से इन बच्चों के एडमिशन पर प्रभाव पड़ रहा है। प्रवेश नीट की मेरिट के आधार पर ही दिए जाने का आदेश देने की मांग की गई थी।

रायपुर में सगे-भाइयों ने दोस्तों के साथ मिलकर की हत्या चाकू से हमला किया, फिर लाश दलदल में फेंककर भागे

■ खम्हारडीह थाना क्षेत्र का मामला, अबतक 6 आरोपी अरेस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में दो सगे भाई ने एक युवक की हत्या कर दी। आरोपियों ने उसे उनके घर आने से मना किया, लेकिन वो नहीं माना। इसके बाद भाइयों ने मर्डर कर दिया। इस मामले में पुलिस ने दोनों भाइयों को 20 जुलाई को गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले में बुधवार को 4 और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मामला खम्हारडीह थाना क्षेत्र का है।

दरअसल, ललित राव ने खम्हारडीह थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया कि, वो भवानी नगर खम्हारडीह में रहता है। ललित के बेटे सुनील राव का मोहल्ले के राहुल यादव और ओम प्रकाश यादव से पुराना विवाद था। 19 जुलाई को रात 9:30 बजे के करीब ललित पास के एक मैदान में गया था। इसी दौरान ओम प्रकाश यादव और राहुल यादव ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर गाली गलौज चालू कर दी। उन्होंने अपने पास रखे रॉड और कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। जिससे सुनील की मौके पर मौत हो गई।

इस मामले में पुलिस ने घटना के कुछ घंटों के भीतर ही दोनों आरोपियों ओम प्रकाश और राहुल यादव को गिरफ्तार कर लिया था। पूछताछ में पुलिस को आरोपियों ने बताया कि युवक उनके घर आना जाना करता था। जो उन्हें पसंद नहीं था। इस वजह से पहले भी विवाद हो चुका था। घटना के बाद से अन्य आरोपी फरार थे।

बुधवार को पुलिस ने शिवनारायण यादव, शिवा यादव, तरुण यादव और अरुण यादव को भी गिरफ्तार कर लिया है। यह सभी भवानी नगर खम्हारडीह के रहने वाले हैं। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने आरोपियों को कोर्ट के आदेश के बाद जेल भेज दिया है।

घर में घुस सोने-चांदी के जेवर और मोटे कैश पर किया था हाथ साफ, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

बेमेतरा। बेमेतरा जिले में पुलिस ने सोने-चांदी के जेवर व नगदी रकम चोरी करने वाले आरोपी को पकड़ा है। आरोपी ने घर में घुसकर 2.15 लाख रुपये और 50 हजार के आभूषण की चोरी की थी। मामला नांदघाट थाना क्षेत्र का है।

थाना प्रभारी भुनेश्वर यादव ने बताया कि प्रार्थिया कलिन्द्री साहू पति स्व. गौकरण साहू उम्र 60, निवासी मेहना थाना नांदघाट जिला बेमेतरा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसके अपने आवेदन में बताया कि 3-4 अगस्त की दरमियानी रात में कोई अज्ञात चोर घर का दरवाजा तोड़कर घर अंदर रखे पेटी से दो लाख 15 हजार रुपये नगद और 50 हजार रुपये कीमत के आभूषण की चोरी की है।

मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना प्रारंभ कर दी है। विवेचना के दौरान आरोपी राकेश साहू ऊर्फ लल्लू उम्र 32 वर्ष, निवासी मेहना थाना नांदघाट को घेराबंदी कर हिरासत में लिया गया। आरोपी ने पूछताछ में अपना जुर्म करना स्वीकार किया। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने दो लाख 43 हजार 900 रुपये का सामान जब्त किया है। आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उसे रिमांड पर भेजा गया है।

चांपा में चाकूबजी: चखना और गिलास लेने गए युवक पर हमला

युवक का चाचा भी घायल, बिलासपुर सिम्स रेफर

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर चांपा। जांजगीर चांपा जिले के सिंघानिया पेट्रलो पंप के पास चाकू से हमला का मामला सामने आया है। तीन बदमाशों ने एक युवक और नाबालिक बालक पर चैन और चाकू से हमला किया। दोनों को घायल अवस्था में सीएचसी अस्पताल अकलतरा में भर्ती कराया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर सिम्स अस्पताल रेफर किया गया है। घटना अकलतरा थाना क्षेत्र की है।

घायल युवक तिलेश्वर भैना उम्र 25 वर्ष ने बताया कि वह अपने भतीजे मोनू उम्र लगभग 16 वर्ष को दुकान से शराब पीने के लिए चखना और गिलास लेने के लिए भेजा था। इस दौरान देखा कि तीन बदमाश उससे मारपीट कर रहे थे। तब उसे बचाने के लिए मौके पर पहुंचा तो मारपीट करते हुए हाथ में रखे चाकू और चैन से पहले भतीजे मोनू पर चाकू से हमला किया। फिर मेरे ऊपर भी चाकू से हमला किया। दोनों के पेट में चाकू लगा। जिससे दोनों जमीन पर गिर पड़े।

स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी डायल 112 टीम को दी। जहां दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने दोनों घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद बिलासपुर रेफर किया। अकलतरा थाना प्रभारी भास्कर शर्मा ने कहा कि घटना बुधवार की शाम सात से साढ़े सात बजे की है। अज्ञात बदमाशों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। जांच पड़ताल की जा रही है। आस-पास लगे सीसीटीवी कैमरों की तलाश की जा रही है। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी की जाएगी।

दुर्ग पुलिस लाइन में नवआरक्षक ने फांसी लगाकर की खुदकुशी

■ किचन में नायलॉन की रस्सी से लटका मिला शव, पत्नी को मायके छोड़कर आया था

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले में एक नवआरक्षक ने अपने घर में फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। सुरेंद्र साहू (35) अनुकंपा नियुक्ति पर आरक्षक के पद पर कार्यरत थे और न्यू पुलिस लाइन ड्यूटी पर तैनात थे। बुधवार (6 अगस्त) की शाम उनकी लाश किचन के पंखे पर नायलॉन की रस्सी से लटकती मिली।

मामला पद्मनाभपुर थाना क्षेत्र का है। परिवार के सदस्यों ने बताया कि सुरेंद्र दोपहर 2 बजे अपनी पत्नी को राखी के लिए मायके छोड़कर आए थे। उन्होंने पत्नी को 4 बजे फोन करके लेने आने की बात कही थी।

बाजार से रस्सी खरीदी और लगा ली फांसी

जांच में ये भी सामने आया है कि आत्महत्या से पहले सुरेंद्र ने नई नायलॉन रस्सी खरीदी और घर आकर उसी से फांसी का फंदा बनाया। जब शाम 4 बजे पत्नी ने फोन किया तो कोई जवाब नहीं मिला। चिंतित होकर जब वह घर पहुंची तो देखा कि पति किचन में फांसी पर लटके हुए हैं।

पुलिस ट्रेनिंग में भी नहीं ले पाए थे हिस्सा

जानकारी के मुताबिक, मृतक के घर में पत्नी और एक छोटी बहन थी। उन्हें अपने पिता के बदले अनुकंपा नियुक्ति पर नौकरी मिली थी। काफी समय बीत जाने के बावजूद वह पुलिस ट्रेनिंग में हिस्सा नहीं ले पाए थे।

आत्महत्या का कारण अज्ञात, जांच जारी

घटना की सूचना मिलते ही पद्मनाभपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आसपास के लोगों की मदद से रस्सी काटकर उन्हें नीचे उतारा गया। पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। बताया जा रहा है सुरेंद्र को ट्रेनिंग के लिए विभाग की ओर से फोन आया था इसके बाद यह कदम उठाया है, हालांकि इस बात की पुष्टि नहीं हुई है।

लापरवाही पर एसएसपी की कार्रवाई, टीआई लाइन अटैच, 3 आरक्षक सस्पेंड

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के वीआईपी रोड पर गश्त के दौरान साढ़े 10 लाख रुपये नकद बरामद होने के मामले में लापरवाही बरतने पर माना थाना प्रभारी यमन देवांगन को लाइन अटैच कर दिया गया है। साथ ही चेकिंग टीम में शामिल तीन पुलिसकर्मियों को निलंबित करते हुए उनके खिलाफ विभागीय जांच के आदेश दिए गए हैं।

एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि यह कार्रवाई 4 और 5 अगस्त की दरम्यानी रात सामने आई, जब माना थाना की पेट्रोलिंग टीम ने वीआईपी रोड पर चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति की गाड़ी से 10.5 लाख रुपये नकद जब्त किए थे।

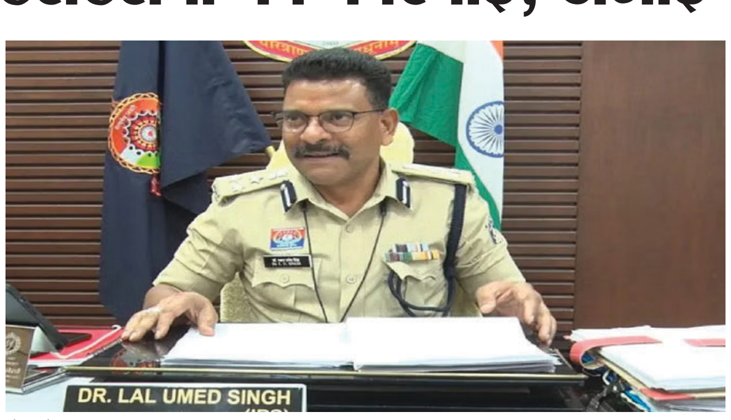

सूत्रों के अनुसार, मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों एक हवलदार और दो अन्य ने व्यक्ति को कहा कि वह अगली सुबह थाने आकर पैसे वापस ले सकता है। अगले दिन जब वह व्यक्ति थाने पहुंचा, तो बिना किसी वैधानिक कार्रवाई या पूछताछ के कैश उसे लौटा दिया गया। अहम बात यह रही कि इतनी बड़ी राशि मिलने के बावजूद इस मामले को थाने के रोजनामचा (डेली डायरी) में दर्ज नहीं किया गया, जो पुलिस मैन्युअल के स्पष्ट उल्लंघन में आता है। इस मामले में माना थाना प्रभारी यमन देवांगन लाइन अटैच किया गया। वहीं प्रधान रक्षक रमेश राठौर, आरक्षक हेमंत राठौर, आरक्षक शिव निराला को निलंबित किया गया।

विभागीय जांच के आदेश जारी

एसएसपी डॉ. लाल उमेद सिंह ने कहा कि पुलिस की जवाबदेही और पारदर्शिता सर्वोपरि है। इस तरह के मामलों में लापरवाही को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने साफकहा कि नियमों के अनुसार कार्रवाई न करने, रोजनामचा में दर्ज नहीं करने और नकद राशि लौटाने जैसी गंभीर लापरवाही के खिलाफ सख्त कदम उठाए गए हैं। पुलिस विभाग द्वारा गठित जांच टीम अब यह पता लगाएगी कि इतनी बड़ी नकदी कहां से आई, किस प्रयोजन से लाई जा रही थी, और इसे बिना जांच के क्यों लौटाया गया। सीसीटीवी फुटेज, कॉल डिटेल और थाने में प्रवेश-निकास की जानकारी भी जांच का हिस्सा होगी।

मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ बन रहा टेक्नोलॉजी हब, कामन फैसिलिटी सेंटर की स्थापना को मिली मंजूरी

इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण में आत्मनिर्भर बनेगा राज्य, युवाओं को मिलेगा नवाचार और रोजगार का नया मंच

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि मिली है। अब राज्य को इलेक्ट्रॉनिक्स टेस्टिंग या प्रोटोटाइपिंग के लिए बेंगलुरु, पुणे या नोएडा जैसे शहरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय ने नवा रायपुर में कॉमन फैसिलिटी सेंटर की स्थापना को मंजूरी प्रदान की है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की दूरदृष्टि और आवास एवं पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी के मार्गदर्शन में तैयार इस परियोजना से राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री, स्टार्टअप और युवाओं के लिए नया युग प्रारंभ होगा। यह परियोजना छत्तीसगढ़ की उद्योग नीति के अनुरूप निवेशकों को आकर्षक प्रोत्साहन भी प्रदान करेगी।

कॉमन फैसिलिटी सेंटर नवा रायपुर अटल नगर के सेक्टर-22 में 3.23 एकड़ भूमि पर विकसित किया जाएगा। इस परियोजना की कुल लागत 108.43 करोड़ रुपये है, जिसमें से 75.00 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता भारत सरकार के MeitY मंत्रालय द्वारा EMC 2.0 योजना के अंतर्गत स्वीकृत की गई है। शेष 33.43 करोड़ रुपये राज्य सरकार द्वारा वहन किए जाएंगे तथा भूमि की उपलब्धता नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण द्वारा सुनिश्चित की जा रही है।

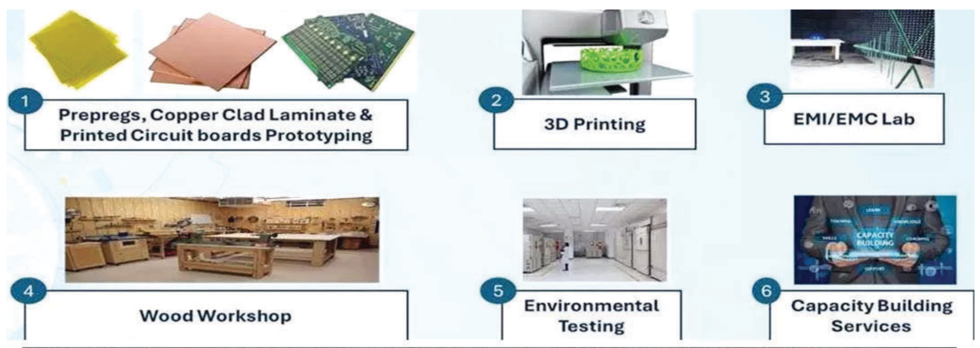

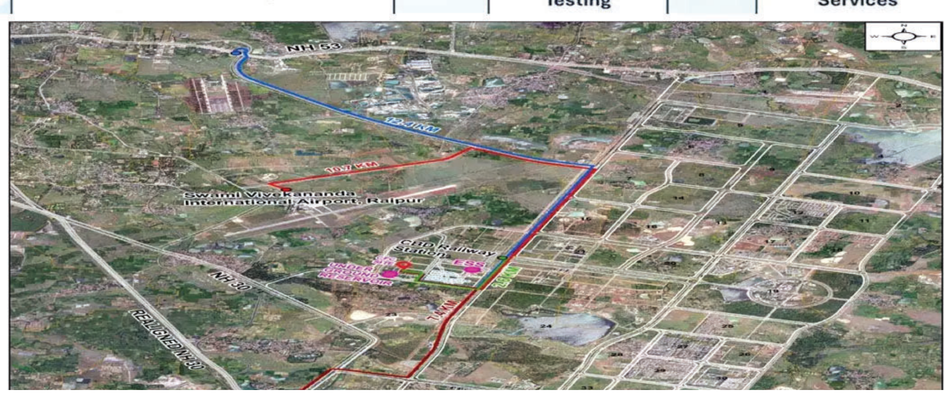

यह कॉमन फैसिलिटी सेंटर इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग को बढ़ावा देने हेतु एक साझा एवं अनुकूल वातावरण निर्मित करेगा, जहां प्रिंटेड सर्किट बोर्ड प्रोटोटाइपिंग, 3ष्ठ प्रिंटिंग, श्वस्ष्ट परीक्षण और वुड वर्कशॉप जैसी अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह केंद्र अर्धचालक (सेमीकंडक्टर), माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स, एलईडी लैंप, सोलर चार्ज कंट्रोलर, इलेक्ट्रिक वाहन समाधान, ऑटोमेशन समाधान और SCADA पैनल जैसी इलेक्ट्रॉनिक्स आधारित उत्पादन इकाइयों को विशेष लैब और परीक्षण सुविधाएं प्रदान करेगा।

इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा पहले से ही कई आकर्षक योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इस कॉमन फैसिलिटी सेंटर की स्थापना को राज्य की उद्योग नीति के तहत मिलने वाले प्रोत्साहनों से और भी बल मिलेगा, जिससे इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में बाहरी और स्थानीय निवेश को गति मिलेगी। नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण (NRANVP) द्वारा संचालित यह परियोजना राज्य में इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण एवं निवेश को प्रोत्साहित करेगी। इसके माध्यम से राज्य और क्षेत्रीय स्तर पर अर्थव्यवस्था को बल मिलेगा और युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इस परियोजना को टेक्नोलॉजी क्रांति की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताते हुए कहा कि यह पहल राज्य को आत्मनिर्भर और तकनीकी रूप से समृद्ध बनाएगी। उन्होंने कहा कि इससे न केवल नवाचार और स्टार्टअप को प्रोत्साहन मिलेगा, बल्कि उद्योगों को विश्वस्तरीय परीक्षण और प्रोटोटाइपिंग सुविधाएं भी सुलभ होंगी, जिससे छत्तीसगढ़ इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में एक पावरहाउस बनकर उभरेगा।

आवास और पर्यावरण मंत्री ओपी चौधरी ने इस अवसर पर कहा कि कॉमन फैसिलिटी सेंटर जैसी परियोजनाएं छत्तीसगढ़ के तकनीकी बुनियादी ढांचे को मजबूत करेंगी। इससे स्थानीय स्टार्टअप्स, युवाओं और उद्यमियों को अत्याधुनिक संसाधन मिलेंगे, जो पहले बड़े शहरों तक ही सीमित थे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में यह पहल डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र में छत्तीसगढ़ को अग्रणी बनाएगी।

इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माताओं के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन केंद्र

यह सेंटर क्षेत्र के इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माताओं के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन केंद्र के रूप में कार्य करेगा। उदाहरण के तौर पर, एक छोटी एलईडी लाइट निर्माण इकाई अपने उत्पादों की गुणवत्ता और सुरक्षा मानकों की जांच के लिए ष्टस्न्रष्ट की परीक्षण लैब का उपयोग कर सकेगी। इसी प्रकार, एक स्टार्टअप जो सोलर चार्ज कंट्रोलर डिज़ाइन कर रहा है, वह बड़े पैमाने पर उत्पादन से पूर्व अपने डिज़ाइन को इस केंद्र की प्रोटोटाइपिंग सुविधा में परख सकेगा। एक इलेक्ट्रिक व्हीकल घटक निर्माता अपने उत्पादों की इलेक्ट्रोमैग्नेटिक संगतता का परीक्षण कर सकता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि सभी प्रणालियाँ सुचारू रूप से कार्य कर रही हैं। साथ ही, 3D प्रिंटिंग सुविधा कंपनियों को विशेष जिग्स या कस्टम एन्क्लोज़र बनाने में सहायता करेगी, जबकि PCB प्रोटोटाइपिंग सेवा सर्किट बोर्डों के त्वरित विकास और परीक्षण में मदद करेगी, जिससे उत्पाद निर्माण की गति तेज होगी।

मुख्यमंत्री साय ने की आदि कर्मयोगी अभियान की समीक्षा, कहा-

जनभागीदारी से करें आदिवासी ग्रामों का समग्र विकास

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित समीक्षा बैठक में निर्देशित किया कि आदि कर्मयोगी अभियान के माध्यम से आदिवासी बाहुल्य ग्रामों का समग्र विकास जनभागीदारी के माध्यम से सुनिश्चित किया जाए।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि आदि कर्मयोगी अभियान के तहत पूरे देश में आदिवासी बाहुल्य ग्रामों में 20 लाख स्वयंसेवकों के निर्माण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस राष्ट्रीय लक्ष्य में छत्तीसगढ़ राज्य की भागीदारी सक्रिय है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 1,32,400 वॉलंटियर्स को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसे जनभागीदारी और जनजागरूकता के माध्यम से समयबद्ध रूप से पूर्ण किया जाना है। उन्होंने बैठक में निर्देश दिए कि युवाओं को वॉलंटियर्स के रूप में रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने की कार्यवाही की जाए। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि प्रदेश के जनजातीय बाहुल्य गांवों में बुनियादी अधोसंरचना और सुविधाओं में जो भी 'क्रिटिकल गैप' शेष हैं, उनकी पहचान की जाए और आगामी 2 अक्टूबर 2025 को ग्राम सभाओं में इस पर विशेष चर्चा की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि इन कमियों को दूर करने के लिए स्थानीय प्रशासन के सहयोग से आवश्यक ठोस कदम उठाए जाएं और यह सुनिश्चित किया जाए कि हर ग्राम बुनियादी सुविधाओं से संतृप्त हो।

बैठक में आदिम जाति कल्याण विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा ने जानकारी दी कि इस अभियान के तहत ग्रामों में 'आदि सेवा केंद्र' स्थापित किए जाएंगे, जो न केवल मूलभूत सुविधाओं की उपलब्धता में सहायक होंगे, बल्कि योजनाओं एवं कार्यक्रमों के सतत क्रियान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने बताया कि जनजातीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में धरती आबा और पीएम-जनमन जैसे संतृप्तिमूलक अभियानों की भी शुरुआत की गई है, जिनके अंतर्गत आदिवासी बाहुल्य ग्रामों एवं पीवीटीजी बस्तियों में आवास, पक्की सड़कें, जलापूर्ति, आंगनबाड़ी और स्वास्थ्य सुविधाएं सुनिश्चित की जा रही हैं।

बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि आदि कर्मयोगी अभियान के अंतर्गत राज्य स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कार्यक्रम 22 से 28 जुलाई 2025 के मध्य सम्पन्न किया जा चुका है तथा जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स की सूची भारत सरकार को प्रेषित की जा चुकी है। आगामी गतिविधियों में जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण सहित अन्य कार्यक्रम प्रस्तावित हैं, जिन्हें शीघ्र क्रियान्वित किया जाएगा। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव सुबोध कुमार सिंह, मुख्यमंत्री के सचिव राहुल भगत, संयुक्त सचिव डॉ. रवि मित्तल, आदिम जाति कल्याण विभाग के आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर सहित अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

स्वास्थ्य मंत्री जायसवाल ने दंतेवाड़ा में एनीमिया मुक्त रथ को हरी झंडी दिखाकर किया शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने बुधवार को दंतेवाड़ा जिला मुख्यालय स्थित कलेक्टरेट परिसर से एनीमिया मुक्त रथ को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया

यह रथ जिले में एनीमिया की रोकथाम एवं जन जागरूकता के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है, जो ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जाकर लोगों को एनीमिया के लक्षण, कारण, बचाव एवं उपचार की जानकारी देगा।

इस अवसर पर अध्यक्ष सीजीएमएससी दीपक महस्के, विधायक चैतराम अटामी, जिला पंचायत अध्यक्ष नंदलाल मुड़ामी, स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया, आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं प्रियंका शुक्ला, कलेक्टर कुणाल दुदावत, जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा तथा स्वास्थ्य एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री से भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने की मुलाकात

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से उनके निवास कार्यालय में भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री साय को भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ द्वारा प्रदेश भर में चलाए गए 'एक राखी सैनिक भाइयों के नाम' अभियान की जानकारी दी।

मुख्यमंत्री को प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ द्वारा रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में हमारे देश की सीमा पर तैनात सैनिक भाईयों के सम्मान में एक राखी सैनिक भाईओं के नाम' अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत छत्तीसगढ़ राज्य के सभी 33 जिलों के बुलबुल, गाइड और रेंजर बहनों द्वारा हस्त निर्मित राखियां सैनिक भाईयों के लिए प्राप्त हुई है। ये राखियां हमारे सैनिक भाइयों को प्रेषित की जाएंगी। मुख्यमंत्री साय ने भारत स्काउट्स एवं गाइड्स छत्तीसगढ़ के अभियान 'एक राखी सैनिक भाइयों के नाम' की सराहना करते हुए कहा कि यह बहुत खुशी की बात है कि इस अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के बच्चे देश की रक्षा में सीमा पर डटे जवानों को रक्षासूत्र भेज रहे हैं। इस पहल से बच्चों में देशभक्ति की भावना बढ़ेगी और हमारे जवानों को भी भावनात्मक संबल मिलेगा ।

छत्तीसगढ़ में बढ़ेंगे इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए ई-चार्जिंग प्वाइंट

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में बढ़ते इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या को देखते हुए चार्जिंग स्टेशन में बढ़ाने पर काम किया जा रहा है। वर्तमान में मुख्य शहरी क्षेत्रों की अपेक्षा ग्रामीण क्षेत्रों में चार्जिंग प्वाइंट कम है इसे देखते हुए राज्य के विभिन्न स्थानों पर ई-वाहनों के लिए चार्जिंग प्वाइंट की स्थापना के लिए वाहन निर्माता कंपनियों की सहभागिता सुनिश्चित करने बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में एक बैठक आयोजित की गई। यह बैठक परिवहन विभाग के सचिव एस. प्रकाश की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें छत्तीसगढ़ में कार्यरत विभिन्न इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता कंपनियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। बैठक में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने एवं चार्जिंग प्वाइंट की स्थापना से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में छत्तीसगढ़ में करीब 290 सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित हैं तथा राज्य में 1 लाख 49 हजार इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकृत हैं। अधिकारियों ने जानकारी दी कि पब्लिक चार्जिंग स्टेशनों की संख्या बढ़ाने के लिए पेट्रोल पंपों और इलेक्ट्रिक वाहन विक्रेताओं से चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने में सहयोग देने का आग्रह किया गया है। यह भी बताया गया कि राज्य के मुख्यत: रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर जिलों में लगभग 50 प्रतिशत चार्जिंग स्टेशन मौजूद हैं, जबकि शेष 50 प्रतिशत चार्जिंग स्टेशन अन्य जिलों में हैं। जिन जिलों में चार्जिंग स्टेशन की संख्या कम है, वहां प्राथमिकता के आधार पर चार्जिंग स्टेशनों की स्थापना की जा रही है। राज्य शासन द्वारा चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष उपाय किए गए हैं, जिनमें चार्जिंग स्टेशन स्थापित करने वाले हितग्राहियों को सब्सिडी प्रदान करने का प्रावधान शामिल है।बैठक में यह भी अवगत कराया गया कि राज्य में लगभग 600 इलेक्ट्रिक वाहन डीलर्स पंजीकृत हैं। उन्होंने अपने सभी शोरूम या विक्रय स्थलों पर अनिवार्य रूप से चार्जिंग प्वाइंट स्थापित करने के निर्देश दिए। समीक्षा में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में विभिन्न कंपनियों द्वारा 12,617 इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री की गई है, जो राज्य की ई-वाहन नीति में निर्धारित लक्ष्य से अधिक है। यह रुझान बताता है कि ई-वाहनों की बिक्री में लगातार वृद्धि हो रही है, लेकिन मुख्य चुनौती पर्याप्त और सुलभ ई-चार्जिंग प्वाइंट की उपलब्धता बनी हुई है। बैठक में उपस्थित प्रमुख ई-वाहन निर्माता कंपनियों के प्रतिनिधियों ने कहा कि वे अपनी ई-कार बिक्री के साथ-साथ मोबाइल ऐप के माध्यम से ग्राहकों को चार्जिंग प्वाइंट का लोकेशन भी उपलब्ध कराते हैं। इसके अतिरिक्त, उन्होंने चार्जिंग प्वाइंट की संख्या में वृद्धि से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव भी साझा किए।

गुणवत्तापूर्ण निर्माण सामग्रियों के चयन के लिए मानकों की जानकारी जरूरी-अरुण साव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री अरुण साव भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं के लिए आयोजित क्षमता निर्माण कार्यक्रम में शामिल हुए। भारतीय मानक ब्यूरो के रायपुर कार्यालय द्वारा रायपुर के नवीन विश्राम भवन में 6 अगस्त और 7 अगस्त को दो दिवसीय इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। देशभर से आए विषय विशेषज्ञ कार्यक्रम में अभियंताओं को अलग-अलग तरह के निर्माण कार्यों में प्रयुक्त सामग्रियों और कार्यों के नए मानकों की जानकारी दे रहे हैं। लोक निर्माण विभाग के विभिन्न जिलों के अभियंता इसमें हिस्सा ले रहे हैं जिनमें अधीक्षण अभियंता, कार्यपालन अभियंता और सहायक अभियंता शामिल हैं।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने क्षमता निर्माण कार्यक्रम में कहा कि लगातार बदल रही तकनीकों, जरूरतों और अनुसंधानों के बीच नए मानकों और नवाचारों से अपडेट रहना जरूरी है। एक इंजीनियर के रूप में सम-सामयिक तकनीकी पहलुओं और उनके नवीन मापदंडों की जानकारी आवश्यक है। अलग-अलग तरह के निर्माण कार्यों को गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने में इनकी अच्छी जानकारी काफी मददगार होती है। उन्होंने भारतीय मानक ब्यूरो को क्षमता निर्माण कार्यक्रम के आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि इससे हमारे अभियंताओं की दक्षता और क्षमता बढ़ेगी।

उप मुख्यमंत्री साव ने अभियंताओं को संबोधित करते हुए कहा कि निर्माण उद्योग में अलग-अलग कंपनियों और आपूर्तिकर्ताओं की भिन्न-भिन्न गुणवत्ता और कीमत वाली सामग्री मौजूद हैं। गुणवत्ता और मानकों की अच्छी जानकारी रहने से आप सही सामग्रियों का चयन कर सकते हैं। आपके पर्यवेक्षण में हो रहे कार्यों में गुणवत्ता सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी आपकी है। इसके लिए निर्माण कार्यों में मानकों के अनुरूप प्रमाणित सामग्रियों का उपयोग करें। श्री साव ने दो दिनों तक चलने वाले इस क्षमता निर्माण कार्यक्रम का पूरा लाभ लेते हुए अपनी जानकारियों को अपडेट करने को कहा। उन्होंने उम्मीद जताई कि इससे लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं को कार्यस्थल पर प्रभावी कार्य संपादन में सहायता मिलेगी।

लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता वी.के. भतपहरी ने कहा कि देश-दुनिया में प्रचलित मानकों और मापदंडों से विभाग के अभियंताओं को अवगत कराने भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। उन्होंने कहा कि हर अभियंता को मानकों की पूरी जानकारी रखने के साथ ही फील्ड में इनका कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराना चाहिए। उन्होंने मानकों और मापदंडों का पालन कर राज्य में हो रहे निर्माण कार्यों की गुणवत्ता बढ़ाने को कहा। भारतीय मानक ब्यूरो के क्षेत्रीय निदेशक सुमन कुमार गुप्ता और वैज्ञानिक मधुरिमा माधव ने भी प्रतिभागी अभियंताओं को संबोधित किया। भारतीय मानक ब्यूरो के रायपुर कार्यालय के संयुक्त निदेशक फ ालेन्द्र कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी कार्यक्रम में मौजूद थे।

सिविल और इलेक्ट्रिकल कार्यों तथा सामग्रियों के मानकों की दी जा रही जानकारी

भारतीय मानक ब्यूरो के विशेषज्ञ दो दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम में लोक निर्माण विभाग के अभियंताओं को अलग-अलग सत्रों में सिविल और इलेक्टि्कल कार्यों के मानकों की जानकारी दे रहे हैं। सिविल कार्यों में रिसोर्स पर्सन के रूप में भारतीय मानक ब्यूरो के विशेषज्ञ श्री डी.एस. धपोला, डॉ. आदित्य प्रताप सान्याल, डॉ. आर.पी. देवांगन, डॉ. प्रवीण निगम और डॉ. ललित कुमार गुप्ता नए मानकों और मापदंडों की जानकारी दे रहे हैं। वहीं इलेक्ट्रिकल कार्यों में सर्वश्री बाबुल चक्रवर्ती, उमा शंकर, सुहासकृष्णन के.वी. और भावना कस्तुरिया मानकों की जानकारी दे रहे हैं।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950